दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

परास्नातक (हिंदी)
पाठ्यक्रम
सत्र 2024-25 से लागू

हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग

स्नातकोत्तर द्विवर्षीय प्रश्न पत्रों के नाम
(विभाग- हिन्दी)

कक्षा	सेमेस्टर (प्रश्न पत्र)	प्रश्न पत्र का नाम	प्रश्न पत्र कोड	क्रेडिट
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	प्रथम (प्रथम प्रश्न पत्र)	लोक साहित्य के सिद्धांत एवं भोजपुरी साहित्य	HND-501N	4
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	प्रथम (द्वितीय प्रश्न पत्र)	भारतीय काव्यशास्त्र	HND-502N	4
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	प्रथम (तृतीय प्रश्न पत्र)	अस्मिता विमर्श और हिंदी साहित्य	HND-503N	4
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	प्रथम (चतुर्थ प्रश्न पत्र)	भारतीय साहित्य	HND-504N	4
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	प्रथम (पंचम प्रश्न पत्र) (वैकल्पिक-1)	हिंदी पत्रकारिता	HND-505N	4
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	प्रथम (पंचम प्रश्न पत्र) (वैकल्पिक-2)	सिनेमा और हिंदी साहित्य	HND-506N	4
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	प्रथम (पंचम प्रश्न पत्र) (वैकल्पिक-3)	प्रवासी साहित्य	HND-507N	4
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	द्वितीय (प्रथम प्रश्न पत्र)	हिंदी भाषा एवं प्रयोजन मूलक हिंदी	HND-508N	4
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	द्वितीय (द्वितीय प्रश्न पत्र)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	HND-509N	4
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	द्वितीय (तृतीय प्रश्न पत्र)	हिंदी कहानी	HND-510N	4
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	द्वितीय (चतुर्थ प्रश्न पत्र)	हिंदी उपन्यास	HND-511N	4
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	द्वितीय (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-1	हिंदी का राष्ट्रीयकाव्य	HND-512N	4
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	द्वितीय (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-2	लोकप्रिय साहित्य	HND-513N	4
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	द्वितीय (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-3	विश्व साहित्य	HND-514N	4
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	द्वितीय (ओपन इलेक्टिव)	नाथ साहित्य और संतकाव्य परंपरा	HND-500N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	तृतीय (प्रथम प्रश्न पत्र)	भाषा विज्ञान और लिपि	HND-515N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	तृतीय (द्वितीय प्रश्न पत्र)	हिंदी भक्तिकाव्य	HND-516N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	तृतीय (तृतीय प्रश्न पत्र)	हिंदी रीतिकाव्य	HND-517N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	तृतीय (चतुर्थ प्रश्न पत्र)	हिंदी आलोचना	HND-518N	4

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	तृतीय (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-1	गोरखनाथ	HND-519N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	तृतीय (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-2	कबीरदास	HND-520N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	तृतीय (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-3	मलिक मुहम्मद जायसी	HND-521N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	तृतीय (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-4	सूरदास	HND-522N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	तृतीय (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-5	तुलसीदास	HND-523N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	तृतीय (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-6	मीराबाई	HND-524N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	तृतीय	शोध परियोजना	HND-525N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	चतुर्थ (प्रथम प्रश्न पत्र)	हिंदी निबंध एवं नाटक	HND-526N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	चतुर्थ (द्वितीय प्रश्न पत्र)	आधुनिक हिंदी काव्य (भारतेंदु युग से छायावाद तक)	HND-527N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	चतुर्थ (तृतीय प्रश्न पत्र)	छायावादोत्तर हिंदी काव्य	HND-528N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	चतुर्थ (चतुर्थ प्रश्न पत्र)	विविध गद्य विधाएं (आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, व्यंग्य और यात्रा-साहित्य)	HND-529N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	चतुर्थ (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-1	प्रेमचंद	HND-530N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	चतुर्थ (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-2	जयशंकर 'प्रसाद'	HND-531N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	चतुर्थ (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-3	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	HND-532N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	चतुर्थ (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-4	महादेवी वर्मा	HND-533N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	चतुर्थ (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-5	अज्ञेय	HND-534N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	चतुर्थ (पंचम प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-6	मुक्तिबोध	HND-535N	4
स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष	चतुर्थ	शोध परियोजना	HND-536N	4

2

Programme: M.A		परास्नातक-	Semester I[st]
Course Code: HND - 501N	क्रेडिट: 4	Course Title: लोक साहित्य के सिद्धांत एवं भोजपुरी साहित्य	60 घंटे

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोक, लोकसाहित्य, शिष्ट, शिष्टसाहित्य के अर्थ को समझने एवं उनके महत्व को रेखांकित करते हुए विभिन्न लोककथा, लोकगाथा और लोकनाट्य के बारे में विस्तार से बताना है । भोजपुरी साहित्य की लेखन-परंपरा को स्पष्ट करते हुए भोजपुरी साहित्य के प्रति रु उत्पन्न करना इस पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है।

UNIT	TOPIC	Hours
1	लोक साहित्य : अर्थ एवं स्वरूप लोक : अर्थ, परिभाषा, अवधारणा और महत्व लोक साहित्य : परिभाषा, स्वरूप, विशेषताएं और महत्व शिष्ट साहित्य : अर्थ, स्वरूप एवं लोक साहित्य से अंतर एवं संबंध लोक संस्कृति : अर्थ एवं स्वरूप तथा लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति का अंत: संबंध	12
2	लोक साहित्य का संकलन, अध्ययन एवं प्रमुख विधाएं : लोक साहित्य के संकलन, अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व, संकलन की समस्याएं और विधियाँ लोक साहित्य की प्रमुख विधाएं : (लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोकनाट्य): स्वरूप, वर्गीकरण और महत्व, लोक साहित्य के अन्य रूप : लोकोक्तियाँ , मुहावरे और पहेलियाँ	12
3	भोजपुरी : नामकरण, क्षेत्र, विशेषताएं : भोजपुरी लोक साहित्य और भोजपुरी साहित्य : अंतर और संबंध भोजपुरी लोक संस्कृति : स्वरूप और विशेषताएं, भोजपुरी साहित्य की विधाएं- एक परिचय भोजपुरी का वैश्विक स्वरूप	12
4	प्रमुख प्राचीन भोजपुरी कवि और उनका काव्य-साहित्य : गोरखनाथ, कबीरदास और लक्ष्मी सखी (भोजपुरी साहित्य संचयन: संपादक प्रो. चित्तरंजन मिश्र, प्रो. विमलेश मिश्र) आलोचना : निर्धारित कविताओं की अंतर्वस्तु, शिल्पगत वैशिष्ट्य एवं महत्व प्रमुख आधुनिक भोजपुरी कवि और उनका काव्य : बाबू रघुवीर नारायण (बटोहिया), हीराडोम (अछूत के शिकायत), मनोरंजन प्रसाद सिंहा (फिरंगिया), घरिक्षण मिश्र (कवना दुखे डोली में रोवति जाति कनिया), मोती बी. ए (सेमर के फूल), गोरख पांडे (जागरण , मैना) व्याख्या :उपर्युक्त निर्धारित कविताओं से आलोचना : निर्धारित कविताओं की अंतर्वस्तु, उसका शिल्पगत वैशिष्ट्य एवं महत्व	12
5	भोजपुरी नाटक और कहानी : भोजपुरी नाटक: उद्भव और विकास, प्रमुख नाटककार और उनका नाट्य साहित्य : जोक (राहुल सांकृत्यायन) गबरघिचोर (भिखारी ठाकुर) भोजपुरी कहानी : उद्भव और विकास, प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानियाँ- किसान भगवान (दंडीस्वामी विमलानंद सरस्वती), मछरी (रामेश्वर सिंह कश्यप), तिसरकी आँख के अन्हार (रामदेव शुक्ल) व्याख्या : उपर्युक्त निर्धारित नाटक एवं कहानियों से आलोचना : विवेच्य नाटक और कहानी की अंतर्वस्तु, शिल्प और महत्व	12

संदर्भ ग्रंथ सूची –

- ऊषा सक्सेना : 'लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति', राजभाषा प्रकाशन दिल्ली, 2007
- कृष्णदेव 'उपाध्याय लोक साहित्य की भूमिका', साहित्य भवन प्रा. लि. प्रयागराज, 1957
- कृष्णदेव उपाध्याय 'भोजपुरी लोक का अध्ययन', हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी
- दिनेश्वर प्रसाद, 'लोक साहित्य और संस्कृति', लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 1973
- श्रीराम शर्मा, 'लोक साहित्य : सिद्धांत और प्रयोग', विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- सत्येंद्र, 'लोक साहित्य विज्ञान', शिवलाल अग्रवाल कंपनी, आगरा, 1971
- विमलेश कुमार मिश्र 'समकालीन भोजपुरी काव्य की सामाजिक चेतना', संस्मृति सुधा प्रकाशन, गोरखपुर
- ईश्वरचंद्र सिन्हा, भोजपुरी लोकगाथा,
- अर्जुन तिवारी, भोजपुरी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

3

Programme: M.A		परास्नातक-	Semester : I[st]
Course Code: HND 502N	क्रेडिट: 4	Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र	60 घंटे

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में काव्यशास्त्र के भारतीय परंपरा को स्पष्ट करते हुए विभिन्न सिद्धांतों को समझाना है। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों में शब्द शक्तियों को समझने में सहायता मिलेगी।

UNIT	TOPIC		Hours
1	काव्य लक्षण ,काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु, काव्य के भेद महाकाव्य के लक्षण ,काव्य गुण, काव्य दोष		12
2	नाटक : भेद, तत्व, अर्थप्रकृतियाँ, सन्धियाँ, संकलन-त्रय		12
3	काव्य चिंतन के विविध संप्रदाय : रस, अलंकार, ध्वनि, रीति , वक्रोक्ति, औचित्य।		12
4	शब्द शक्तियां : अभिधा शब्द शक्ति और उसके भेद लक्षणा शब्द शक्ति और उसके भेद व्यंजना शब्द शक्ति और उसके भेद ध्वनि और गूणीभूत व्यंग्य		12
5	रस : रस का स्वरूप, रस के अवयव, रस के भेद , रस निष्पत्ति, साधारणीकरण , रसास्वाद के घटक		12

संदर्भ ग्रंथ सूची : -

- भगीरथ मिश्र – काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- तारकनाथ वाली- 'भारतीय काव्यशास्त्र', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- शोभाकांत मिश्र- 'भारतीय काव्य चिंतन', पटना
- रामचंद्र तिवारी -'भारतीय एवं पश्चात्य काव्याशास्त्र तथा हिंदी आलोचना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- योगेंद्र प्रताप सिंह- 'भारतीय काव्यशास्त्र', लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
- बच्चन सिंह- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन', हरियाणा साहित्य अकादमी
- रामदहिन मिश्र -'साहित्य दर्पण', चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी

4

Programme: M.A		परास्नातक	Semester : I[st]
Course Code: HND 503N	क्रेडिट: 4	Course Title: अस्मिता विमर्श और हिन्दी साहित्य	60 घंटे

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य अस्मिता मूलक विमर्श विषयक साहित्य से छात्रों को परिचित कराते हुए उनमें विभिन्न सामाजिक अस्मिताओं के जीवन से संबंधित प्रश्नों, समस्याओं और साहित्यिक मूल्यों के प्रति समझ का विकास करना है।

UNIT	TOPIC		Hours
1	अस्मिता की अवधारणा, अस्मिता विमर्शों की सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं दार्शनिक पृष्ठभूमि अस्मिता विमर्शों का वैश्विक संदर्भ : नीग्रो आंदोलन, स्त्री मुक्ति आंदोलन, उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन		12
2	**व्याख्या खंड :-** कविताएं : ठाकुर का कुआं (ओमप्रकाश वाल्मीकि), तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती ? (कंवल भारती), सुनो ब्राह्मण (मलखान सिंह),वजूद है (रजनी तिलक) कहानी : रावण (कहानी)- श्यौराज सिंह बेचैन, सिलिया (कहानी)-सुशीला टाकभौरे, नया ब्राह्मण (कहानी)-सूरजपाल चौहान आत्मकथा : तुलसीराम - मुर्दहिया (पहला खंड भुतही पारिवारिक पृष्ठभूमि) **आलोचना खंड-** दलित साहित्य का दार्शनिक और वैचारिक आधार, स्वाधीनता आंदोलन एवं दलित मुक्ति के प्रश्न, अंबेडकरवाद और मार्क्सवाद, दलित स्त्रीवाद, दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र (निर्धारित पाठ्यवस्तु से व्याख्या, उसका प्रतिपाद्य , महत्व एवं मूल्यांकन)		12
3	**व्याख्या खंड :-** कविता : 'प्रेम तो नहीं यह लड़की'- गगन गिल, 'सृष्टि'- अनामिका, 'सत्रह साल की लड़की'- नीलेश रघुवंशी कहानी : ममता कालिया - 'बोलने वाली औरत', नासिरा शर्मा - 'खुदा की वापसी', अनीता भारती - 'एक थी कोठे वाली', आत्मकथा : प्रभा खेतान 'अन्या से अनन्या' (आरंभिक एक अंश) **आलोचना खंड-** पितृसत्ता की अवधारणा, स्त्री मुक्ति आंदोलन का इतिहास, दार्शनिक सरणियाँ और स्त्री मुक्ति, भारतीय स्वाधीनता आंदोलन और मुक्ति के प्रश्न , स्त्री मुक्ति की समकालीन - वैश्विक एवं भारतीय अवधारणाएं और साहित्य (उत्तर आधुनिक और उत्तर औपनिवेशिक विमर्श) (निर्धारित पाठ्य वस्तु से व्याख्या, उसका प्रतिपाद्य, महत्व एवं मूल्यांकन)		12
4	**व्याख्या खंड:** कविता : कथा शालवन के अंतिम शाल की - रामदयाल मुंडा , अगर तुम मेरी जगह होते - निर्मला पुतुल , उपन्यास : धूड़ी तपे तीर - हरिराम मीना **आलोचना खंड:** आदिवासी एवं आदिवासियत की अवधारणा, आदिवासी जीवन दर्शन एवं संस्कृति, जल, जंगल - जमीन और पर्यावरण का सवाल, भाषा, बिम्ब और प्रतीक, (निर्धारित पाठ्य वस्तु से व्याख्या, उसका प्रतिपाद्य, महत्व एवं मूल्यांकन)		12
5	**व्याख्या खंड:** कहानी : 'पार्टीशन' -स्वयं प्रकाश उपन्यास : 'टोपी शुक्ला' - राही मासूम रजा **आलोचना खंड:** अल्पसंख्यक की अवधारणा, पहचान के भाषाई और धार्मिक आधार, बौद्ध, सिख और मुस्लिम अल्पसंख्यकों के प्रमुख सवाल, विभाजन की त्रासदी और अल्पसंख्यक साहित्य, सांस्कृतिक बहुलता के बीच सांप्रदायिकता उलझने, कौमी एकता की अभिव्यक्ति (निर्धारित पाठ्य वस्तु से व्याख्या, उसका प्रतिपाद्य, महत्व एवं मूल्यांकन)		12

5

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. अभय कुमार दुबे (संपादक) : आधुनिकता के आईने में दलित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. ओमप्रकाश वाल्मीकि, दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कंवल भारती, दलित विमर्श की भूमिका, इतिहास बोध प्रकाशन, इलाहाबाद
4. तेजस्वी कट्टीमनी, भारतीय दलित साहित्य: एक परिचय, वाल्मीकि पब्लिशर्स, नई दिल्ली
5. बाबूराव बाबुल, दलित साहित्य : उद्देश्य और वैचारिकता, दलित साहित्य प्रकाशन, नागपुर
6. रामनरेश राम: दलित स्त्रीवाद की आत्मकथात्मक अभिव्यक्ति, नई किताब प्रकाशन, दिल्ली
7. निवेदिता मेनन, साधना आर्या: नारीवादी राजनीति संघर्ष एवं मुद्दे
8. अनामिका : स्त्रीत्व का मानचित्र
9. सुधा सिंह : ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ
10. व्होरा : नारी शोषण आईने और आयाम , नेशनल पब्लिकेशन, नई दिल्ली
11. मृणाल पांडेय: देह की राजनीति से देश की राजनीति तक, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
12. राजकिशोर (सं.): स्त्री के लिए जगह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. सरला महेश्वरी: नारी प्रश्न, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
14. वंदना टेटे: आदिवासी साहित्य परंपरा और प्रयोजन
15. वंदना टेटे: आदिवासी दर्शन और साहित्य
16. गंगासहाय मीणा : आदिवासी चिंतन की भूमिका
17. रमणिका गुप्ता : आदिवासी कौन?
18. जयपाल सिंह मुंडा : लो बिर सेंदरा
19. सं०, कालिका प्रसाद : वृहद हिन्दी कोश
20. डॉ. अर्जुन चव्हाण: विमर्श के विविध आयाम
21. डॉ. एम. फिरोज खान : मुस्लिम विमर्श: साहित्य के आईने में

...mme: M.A		परास्नातक	Semester : I[st]
Course Code: HND-504N	क्रेडिट: 4	Course Title: भारतीय साहित्य	60 घंटे

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदीतर भारतीय भाषाओं में सृजित साहित्य के स्वरूप, वैशिष्ट्य और महत्व से परिचित कराना है । यह पाठ्यक्रम भारतीय साहित्य के अध्ययन के द्वारा विद्यार्थियों में एक वृहत्तर भारत - बोध का विकास संभव कर सकेगा । कुल पांच इकाइयों में नियोजित पाठ्यक्रम की प्रथम इकाई में भारतीय साहित्य के विविध सैद्धांतिक पक्षों, द्वितीय इकाई में भारत के विभिन्न भौगोलिक एवं भाषाई क्षेत्रों को परस्पर सम्बद्ध करने वाले भक्ति आंदोलन और इससे जुड़े भक्त कवियों के साहित्य, तीन इकाइयों - तृतीय, चतुर्थ, एवं पंचम में क्रमशः भारतीय काव्य- साहित्य, कथा- साहित्य और नाट्य- साहित्य के निर्धारित चयनित पाठ का आलोचनात्मक अध्ययन किया जाएगा।

UNIT	TOPIC		Hours
1	भारतीय भाषाएं और साहित्य भारतीय साहित्य की अवधारणा, स्वरूप और विशेषताएं भारतीय साहित्य के इतिहास की संकल्पना भारतीय साहित्य का अध्ययन: आवश्यकता एवं महत्व भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं भारतीय साहित्य : एकता एवं समानता के तत्व		12
2	भारतीय भक्ति - आंदोलन : दार्शनिक आधार, साहित्य और धाराएं प्रमुख भक्त कवि और उनके काव्य साहित्य का सामान्य परिचय: ➢ आंडाल (तमिल) ➢ अक्क महादेवी (कन्नड़) ➢ नामदेव (मराठी) ➢ चंडीदास (बांग्ला) ➢ शंकरदेव (असमी) ➢ नरसी मेहता (गुजराती) ➢ नानक (पंजाबी)		12
3	भारतीय काव्य साहित्य: कालिदास: 'रघुवंशम' का प्रथम सर्ग (संस्कृत) मिर्ज़ा ग़ालिब (उर्दू) : गजलें : कोई उम्मीद बर नहीं आती, हर एक बात में कहते हो रवीन्द्रनाथ ठाकुर (बांग्ला): गीतांजलि (आरंभिक पांच गीत) कुमारन आशान (मलयालम) : चंडाल भिक्षुकी (चयनित अंश) सुब्रमण्यम भारती (तमिल) : यह है भारत देश हमारा, निर्भय अवतार सिंह 'पाश' (पंजाबी): सबसे खतरनाक होता है हमारे सपनों का मर जाना, अब विदा लेता हूं		12
4	भारतीय कथा साहित्य: उपन्यास: पन्नालाल पटेल (गुजराती): मानवीनी भवाई कहानी: गोपीनाथ महान्ति (ओड़िया) : बघेई, दीनानाथ नादिम (कश्मीरी): जवाबी कार्ड इंदिरा गोस्वामी (असमी): एक अविस्मरणीय यात्रा कालीपट्टनम रामाराव (तेलुगु): प्राणधारा		12
5	भारतीय नाट्य साहित्य: विजय तेंदुलकर (मराठी): घासीराम कोतवाल गिरीश कर्नाड (कन्नड़): हयवदन		12

7

संदर्भ ग्रंथ सूची : -

- रामविलास शर्मा: भारतीय साहित्य की भूमिका,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2010
- डॉ. नगेंद्र, भारतीय साहित्य, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018
- के. सच्चिदानंदन, भारतीय साहित्य: स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
- इन्द्रनाथ चौधरी, तुलनात्मक साहित्य: भारतीय परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली , 2010
- रवींद्र नाथ ठाकुर, गीतांजलि (अनुवाद : प्रयाग शुक्ल),
- अली सरदार जाफरी, दीवान-ए – गालिब (संपादित), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली , 2010

Programme: M.A		परास्नातक	Semest : I[st]
Course Code: HND-505N	क्रेडिट: 4	Course Title: हिन्दी पत्रकारिता (वैकल्पिक-1)	60 घंटे

इसका उद्देश्य छात्रों में हिंदी पत्रकारिता के अध्ययन की अभिरुचि उत्पन्न करते हुए पत्रकारिता की व्यावहारिक क्षमता अर्जित करने की दिशा में प्रेरित करना है।

UNIT	TOPIC		Hours
1	पत्रकारिता: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, उद्भव और विकास, पत्रकारिता की सामाजिक भूमिका और महत्व		12
2	पत्रकारिता के प्रकार और उसके विविध आयाम पत्रकारिता : आचार संहिता और नैतिकता के प्रश्न, पत्रकारिता और मानवाधिकार ।		12
3	हिंदी पत्रकारिता का इतिहास : नवजागरणकालीन हिंदी पत्रकारिता, राष्ट्रीय आंदोलन और हिंदी पत्रकारिता, स्वातंत्रयोत्तर पत्रकारिता का स्वरूप और विकास, साहित्य के विकास में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका		12
4	हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार माध्यम : प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, न्यू मीडिया, सोशल मीडिया, इंटरनेट		12
5	प्रौद्योगिकी, बाजार और राजसत्ता का समकालीन परिदृश्य और हिंदी पत्रकारिता, हिंदी पत्रकारिता की सीमाएं और उपलब्धियां , हिंदी पत्रकारिता की समस्याएं और संभावनाएं		12

संदर्भ ग्रंथ सूची:

- अर्जुन तिवारी: हिंदी पत्रकारिता, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- अर्जुन तिवारी : आधुनिक पत्रकारिता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- अशोक कुमार शर्मा: संचार क्रांति और हिंदी पत्रकारिता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- बच्चन सिंह: हिंदी पत्रकारिता के नए प्रतिमान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- कृष्ण बिहारी मिश्र: हिंदी पत्रकारिता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- देवप्रकाश मिश्र: हिंदी पत्रकारिता: आधुनिक संदर्भ, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली

Programme: M.A		परास्नातक	Semester : I[st]
Course Code: HND-506N	क्रेडिट: 4	Course Title: सिनेमा और हिन्दी साहित्य (वैकल्पिक-2)	60 घंटे

इस प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र हिंदी सिनेमा के स्वरूप, उसकी विशेषताओं तथा विकास यात्रा से परिचित हो सकेंगे। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य सिनेमा और हिंदी साहित्य की विभिन्न कृतियों के परस्पर संबंधों पर प्रकाश डालते हुए सिनेमा और साहित्य के विकास में एक-दूसरे की भूमिका के महत्व से छात्रों को परिचित कराना होगा।

UNIT	TOPIC		Hours
1	सिनेमा का इतिहास, सिनेमा का स्वरूप - विकास, सिनेमा के विभिन्न रूप और प्रकार		12
2	समाज, संस्कृति और राजनीति से सिनेमा का संबंध, शिक्षा, मनोरंजन और सिनेमा, जन - माध्यम के रूप में सिनेमा की वस्तु, भाषा और कला का महत्व		12
3	भारत में सिनेमा का आरंभ, हिंदी सिनेमा का आरंभ और विकास, हिंदी सिनेमा प्रयोग, प्रवृत्ति और धाराएं		12
4	हिंदी साहित्य और सिनेमा, हिंदी की साहित्यिक कृतियां और उनका सिनेमा में रूपांतरण- चित्रलेखा, मारे गए गुलफाम (तीसरी कसम), शतरंज के खिलाड़ी, सारा आकाश, यही सच है (रजनीगंधा) और काली आंधी (आंधी) के विशेष संदर्भ में साहित्य और सिनेमा की संवेदना एवं संरचना का अंतर और संबंध		12
5	सिनेमा और हिंदी साहित्य का समकालीन परिदृश्य, समस्याएं एवं संभावनाएं		12

संदर्भ ग्रंथ सूची : -

- अमृतलाल नागर : फिल्म क्षेत्रे-रंग क्षेत्रे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- जबरीमल पारख: हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली
- जबरीमल पारख: लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली
- दिनेश श्रीनेत: पश्चिम और सिनेमा, वाणी प्रकाशन दिल्ली
- मृत्युंजय (सं): सिनेमा के सौ बरस, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
- विनोद भारद्वाज: सिनेमा: कल, आज , कल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- शम्भुनाथ (सं): हिंदी सिनेमा का सच, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- सत्यजीत राय: चलचित्र, कल और आज, राजपाल एंड संस, दिल्ली

Programme: M.A		परास्नातक	Semester
Course Code: HND 507N	क्रेडिट: 4	Course Title: प्रवासी साहित्य (वैकल्पिक-3)	60 घंटे

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भारतेत्तर हिंदी प्रवासी साहित्य का अध्ययन है ।
- प्रवासी हिंदी साहित्य के लेखन , स्वरूप एवं प्रवृत्तियों का अध्ययन है।
- प्रवासी हिंदी साहित्य के परिवेश एवं पृष्ठभूमि का अध्ययन है।

UNIT	TOPIC		Hours
1	प्रवासी साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं सामाजिक मूल्यवत्ता, संस्कृति, भाषा एवं प्रवासी अपेक्षा, दासता, देशांतर गमन, बहु सांस्कृतिकता एवं नागरिकता, भूमंडलीकरण और प्रवासन, वतन और स्मृति		12
2	प्रवासी हिंदी साहित्य : प्रकृति, संदर्भ एवं विभिन्न विधाएं - कविता, कहानी,उपन्यास, नाटक एवं रंगमंच, निबंध एवं अन्य गद्य विधाओं का संक्षिप्त इतिहास, अमेरिका, इंग्लैंड, मॉरीशस, कनाडा एवं अन्य देशों में प्रवासी लेखन का परिप्रेक्ष्य		12
3	प्रवासी हिंदी काव्य : अमेरिका- अंजना सुधीर (परदेशन का इंतजार महानगर में एकाकीपन), सुदर्शन प्रियदर्शनी (धर्म, लोग), सुधा ओम ढींगरा (नेकदिल, गजल, कठपुतली) इंग्लैंड: उषा वर्मा (कारगिल, 11 सितंबर के बाद), तेजेंद्र शर्मा (मेरे पासपोर्ट का रंग, नहीं है कोई शान) प्राण शर्मा (जंगल में, कविताएं 1,2,3,4), स्वर्ण तलवाड़ (आधुनिक जीवन (पूर्व एवं पश्चिम, विश्व सुंदरी) मॉरीशस: धर्मानंद भंटु (उम्मीदों का हनन, छत उजड़ गई, बिन पंखों की उड़ान) महेश रामजियावन (आज का शेर), राज हीरामन (आजादी से गुलामी मिली, मेरे हिस्से का सूरज, सूरज को सलाम) अन्य देश –प्रो श्याम त्रिपाठी (कनाडा)-(पुष्पों के प्रति, हमारी संतान) इंदु प्रकाश पांडेय (जर्मनी)-(कहीं से कहीं नहीं, जंजीरों से जकड़ा हुआ, विदेशी बेगानापन)		12
4	प्रवासी हिंदी कहानी साहित्य : देशांतर - संपादक तेजेंद्र शर्मा (चयनित कहानियाँ) साहित्य अकादमी, नई दिल्ली चयनित कहानियों का कथ्य एवं शिल्प, कहानी का परिवेश एवं महत्व 'कलश' (सुषमा बेदी) ,'सूरज क्यों निकलता है' (सुधा ओम ढींगरा), 'वह रात' (उषा राजे सक्सेना), 'मन की सांकल' (जाकिया जुबैरी), 'मेहर चंद की दुआ' (अचला शर्मा), 'कब्र का मुनाफा' (तेजेंद्र शर्मा)		12
5	प्रवासी हिंदी उपन्यास : लाल पसीना- अभिमन्यु अनत कुछ गांव कुछ शहर शहर – नीनापाल उपर्युक्त उपन्यासों का कथ्य एवं शिल्प की दृष्टि से मूल्यांकन, उपन्यास परंपरा में महत्व		12

संदर्भ ग्रंथ सूची:

- हिंदी का प्रवासी साहित्य : डॉक्टर कमल किशोर गोयनका, अमित प्रकाशन, गाजियाबाद, 2011
- वर्तमान साहित्य, संपादक- कुंवर पाल सिंह, नमिता सिंह, जनवरी 2000
- विश्व हिंदी रचना, सं. कमल किशोर गोयनका, भारतीय सांकृतिक संबंध परिषद, दिल्ली 2003
- प्रवासी हिंदी साहित्य, संतोष सिंह, गौरव बुक डिस्ट्रीब्यूटर, जनवरी 2020

11

Programme: M.A/B.A		परास्नातक	Semester : IInd
Course Code: HND-508N	क्रेडिट: 4	Course Title: हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी	60 घंटे

इस प्रश्नपत्र का अभिप्रेत हिन्दी भाषा- एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी सम्बन्धी ज्ञान से अध्येताओं को अवगत करना है।

UNIT	TOPIC		Hours
1	मौखिक एवं लिखित भाषा : स्वरूप, परस्पर सम्बद्धता एवं अन्तर भाषा की प्रकृति : भाषा का अर्थ एवं स्वरूप, भाषा के अंग (अवयव) -हिन्दी : नाम -निरुक्ति, अर्थ मीमांसा, हिन्दी भाषा उद्भव एवं विकास, उपभाषाएं एवं बोलियाँ भाषा के विविध रूप : मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, वैज्ञानिक एवं तकनीकी भाषा, द्विभाषिकता		12
2	ध्वनि, वर्ण, अक्षर: स्वरूप और अंतर हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण शब्द : अर्थ एवं वर्गीकरण हिन्दी की शब्द सम्पदा हिन्दी के उपसर्ग, प्रत्यय, वचन एवं लिंग		12
3	प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप :प्रयुक्तियाँ एवं व्यवहार क्षेत्र,कार्यालय में हिन्दी ,वाणिज्य एवं व्यापार के क्षेत्र में हिन्दी, विधि के क्षेत्र में हिन्दी, विज्ञान के क्षेत्र में हिन्दी ,जनसंचार के क्षेत्र में हिन्दी, विज्ञापन के क्षेत्र में हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी : पारिभाषिक शब्दावली – लक्षण, विशेषताएं, निर्माण एवं विकास की आवश्यकता, प्रक्रिया		12
4	कार्यालयी हिन्दी (1) : संविधान में हिन्दी और राजभाषा अधिनियम 1963 तथा 1967, 1976, राजभाषा आयोग एवं समितियां, राजभाषाः स्वरूप एवं कार्यान्वयन कार्यालय हिन्दीः स्वरूप एवं भाषिक प्रकृति कार्यालय हिन्दी और अनुवाद : आवश्यकता शब्दावली एवं प्रयुक्त अभिव्यक्तियां, हिन्दी की प्रशासनिक शब्दावली एवं अभिव्यक्तियाँ		12
5	कार्यालयी हिन्दी:2 प्रशासनिक पत्राचार : प्रयोग एवं प्रारूपगत विशेषता सरकारी पत्र, अर्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, आदेश पृष्ठांकन, अधिसूचना, संकल्प, प्रेस विज्ञप्ति, प्रेस नोट प्रशासनिक पत्रों की भाषा शैली, टिप्पण लेखनः प्रकार प्रक्रिया एवं अंग ,अन्तर विभागीय टिप्पण एवं विशेषता, मसौदा लेखन : स्वरूप एवं प्रकृति एवं नमूने		12

संदर्भ ग्रंथ सूची:

- देवेन्द्रनाथ शर्मा :'भाषा विज्ञान की भूमिका'राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- भोलानाथ तिवारी : 'भाषा विज्ञान'किताब महल,, प्रयागराज,
- कपिलदेव द्विवेदी': भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र' विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- बाबूराम सक्सेना': समाज भाषा विज्ञान'लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- मोती लाल गुप्ता': आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका' राजस्थान हिन्दी अकादमी जयपुर ,
- रामदरश राय': भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा 'भवदीय प्रकाशन ', अयोध्या – फैज़ाबाद
- सुरेन्द्र दुबे': काव्यादर्श और काव्य भाषा'भवदीय प्रकाशन, अयोध्या -फैज़ाबाद
- दंगल झाल्टे :' प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग'

Programme: M.A/B.A		परास्नातक	Semester : IInd
Course Code: HND-509N	क्रेडिट: 4	Course Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र	60 घंटे

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य रचना और आलोचना सर्जना और शास्त्र अन्त:सम्बन्धों के बारे में पाश्चात्य साहित्य तथा कला की अवधारणाओं और मान्यताओं र छात्रों को सुपरिचित कराना है।

UNIT	TOPIC		Hours
1	अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, लोनजाईनस का उदात्तवाद, त्रासदी		12
2	शास्त्रवाद और नवशास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद		12
3	मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र, अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद		12
4	क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, टी.एस. इलियट का निर्वैयक्तिकता, परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, आई.ए. रिचर्डस का संप्रेषण सिद्धांत, मूल्य सिद्धांत		12
5	नयी समीक्षा की मान्यताएं ,संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, विखंडनवाद एवं उत्तर आधुनिकता		12

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. तारकनाथ बाली, पाश्चात्य काव्यशास्त्र , पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. भगीरथ मिश्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. बच्चन सिंह, आलोचना और आलोचना, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

Programme: M.A/B.A		परास्नातक	Semester : IInd
Course Code: HND-510 N	क्रेडिट: 4	Course Title: हिन्दी कहानी	60 घंटे

इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य हिन्दी कहानी की विकास यात्रा से विद्यार्थियों को परिचित कराते हुए उसमें अभिव्यक्त भारतीय जीवन के व्यापक यथार्थ और संवेदना के प्रति समझ का विकास करना है।

UNIT	TOPIC		Hours
1	कहानी: स्वरूप एवं विशेषताएँ , हिन्दी कहानी की विकास यात्रा, कहानी के बदलते स्वरूप की अभिव्यक्ति, संवेदना और शिल्प के नए संदर्भ, विभिन्न कहानी आंदोलन, कहानी आलोचक और उनकी आलोचना		12
2	**व्याख्या खण्ड**-उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी), कफन (प्रेमचन्द), गुण्डा (जयशंकर प्रसाद) **आलोचना:** कहानी की केन्द्रीय संवेदना, कथ्य और शिल्प, कहानी कला के तत्वों के आधार पर मूल्यांकन, हिंदी कहानी के विकास में कहानीकार का मूल्यांकन		12
3	**व्याख्या खण्ड** -पत्नी (जैनेन्द्र), शरणदाता (अज्ञेय), रसप्रिया (फणीश्वर नाथ रेणु) **आलोचना:** कहानी की केन्द्रीय संवेदना, कथ्य और शिल्प, कहानी कला के तत्वों के आधार पर मूल्यांकन, हिंदी कहानी के विकास में कहानीकार का मूल्यांकन		12
4	**व्याख्या खण्ड-** मलबे का मालिक(मोहन राकेश), परिंदे(निर्मल वर्मा), जहाँ लक्ष्मी कैद है (राजेन्द्र यादव) **आलोचना:** कहानी की केन्द्रीय संवेदना, कथ्य और शिल्प, कहानी कला के तत्वों के आधार पर मूल्यांकन, हिंदी कहानी के विकास में कहानीकार का मूल्यांकन		12
5	**व्याख्या खण्ड-** बादलों के घेरे (कृष्णा सोबती), कोशी का घटवार (शेखर जोशी),जिंदगी और जोंक (अमरकान्त) **आलोचना:** कहानी की केन्द्रीय संवेदना, कथ्य और शिल्प, कहानी कला के तत्वों के आधार पर मूल्यांकन, हिंदी कहानी के विकास में कहानीकार का मूल्यांकन		12

सदर्भ ग्रंथ सूची:

1. नामवर सिंह: कहानी नई कहानी
2. मार्कण्डेय: कहानी की बात
3. रामदरश मिश्र : हिन्दी कहानी की अंतरंग पहचान
4. कमलेश्वर :नई कहानी की भूमिका
5. देवीशंकर अवस्थी: नई कहानी संदर्भ और प्रकृति
6. मधुरेश: हिन्दी कहानी का विकास

14

PROGRAMME M.A/B.A	परास्नातक	Semester II

Course Code : HNDS11N	क्रेडिट - 04	COURSE TITLE :हिंदी उपन्यास	60 घण्टे

इस प्रश्नपत्र का उद्देस्य हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा से विद्यार्थियों का परिचय कराते हुए उपन्यास साहित्य में अभिव्यक्त भारतीय जीवन की व्यापक सम्वेदना के प्रति दृष्टि और समझ का विकास करना है|

UNIT	TOPIC		Hours
1	उपन्यास : स्वरुप एवं विशेषताएं, मध्यवर्ग और उपन्यास हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास		12
2	व्याख्या - गोदान (प्रेमचंद) आलोचना -गोदान का महाकाव्यत्व, किसान जीवन की त्रासदी, ग्रामीण जीवन एवं कृषक संस्कृति, यथार्थवाद, संवेदना और शिल्प		12
3	व्याख्या - शेखर एक जीवनी (अज्ञेय) आलोचना - व्यक्ति स्वातंत्र्य की चेतना, मनोविश्लेषणात्मक दृष्टि से अध्ययन, संवेदना और शिल्प		12
4	व्याख्या - मैला आँचल (फणीश्वर नाथ रेणु) आलोचना –आंचलिकता, संवेदना और शिल्प आंचलिक उपन्यास लेखन परम्परा और रेणु		12
5	व्याख्या - आधा गाँव (राही मासूम रजा) आलोचना – सामासिक संस्कृति आंचलिकता, भारत विभाजन की त्रासदी, संवेदना और शिल्प		12

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1 रामविलास शर्मा : प्रेमचन्द और उनका युग

2. गोपाल राय : हिन्दी उपन्यास का इतिहास

3. राम दरश मिश्र : हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा

4. मधुरेश : हिन्दी उपन्यास का विकास

5. सत्यप्रकाश मिश्र : गोदान का महत्व

6. चंद्रकांत बांदिवडेकर : उपन्यास: स्थिति और गति

7. चंद्रकांत बांदिवडेकर : जैनेन्द्र के उपन्यास : मर्म की तलाश

8. कुँवर पाल सिंह : हिन्दी उपन्यास: सामाजिक चेतना

Programme: M.A/B.A		परास्नातक	Semester : IInd
Course Code: HND-512N	क्रेडिट: 4	Course Title: हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य (वैकल्पिक -1)	60 घंटे

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थी राष्ट्रीय चेतना से समन्वित-हिन्दी काव्य का अध्ययन करते हुए अपने राष्ट्र के प्रति निष्ठा, प्रेम, त्याग समर्पण एवं उत्सर्ग, जैसे भावों का महत्व समझ सकेंगे। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना के विकास का प्रेरक बन सकेगा।

UNIT	TOPIC		Hours
1	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्यः आदिकालीन काव्यः राष्ट्रीय चेतना, देशप्रेम, और राजभक्ति भक्तिकालीन काव्यः लोक - जागरण, सामाजिक-सांस्कृतिक समन्वय की राष्ट्रीय चेतना रीतिकालीन काव्यः राजभक्ति और राष्ट्रीय चेतना आधुनिक काव्यः युग-परिवेश एवं राष्ट्रीयता, सामंतवाद- साम्राज्यवाद विरोधी चेतना एवं राष्ट्रीय चेतना, नई अवधारणा, राष्ट्रीय काव्य का आधुनिक विकास		12
2	मध्यकाल : राष्ट्रीय काव्य और कवि व्याख्या खंडः- गुरु गोविंद सिंह (देहु शिवावर मोहि इहे, बाण चले तेई कुमकुम, मानो, यों सुनि के बतियान तिह की) आलोचनाः भाव सौन्दर्य, राष्ट्रीय चेतना की दृष्टि से मूल्यांकन भूषण : इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने, निजम्यान तै मयूखें, दारुण दहत हरनाकुस बिदरिवै कौं। आलोचना- राष्ट्रीय चेतना और भूषण का काव्य, राज-प्रेम या राष्ट्र-प्रेम, काव्य सौन्दर्य		12
3	आधुनिक काल : नवजागरणकालीन राष्ट्रीय काव्य व्याख्या खंड : मैथिलीशरण गुप्त - आर्य, मातृभूमि, चेतना आलोचनाः राष्ट्रीय चेतना, भाव पक्ष, कला पक्ष, कविताओं का महत्व रामनरेश त्रिपाठी : पथिक, वह देश कौन-सा है, स्वदेश गौरव आलोचनाः राष्ट्रीय चेतना, काव्य सौन्दर्य, भाव एवं कला पक्ष		12
4	छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य : माखनलाल चतुर्वेदीः पुष्प की अभिलाषा, जवानी, घर मेरा है? आलोचनाः माखनलाल चतुर्वेदी का काव्य और राष्ट्र-प्रेम, काव्य सौन्दर्य, भाव एवं कला पक्ष सुभद्रा कुमारी चौहानः वीरों का कैसा हो बसंत, झाँसी की रानी, राखी की चुनौती आलोचना : सुभद्रा कुमारी चौहान का काव्य एवं राष्ट्रीय चेतना, काव्य सौन्दर्य, कला एवं भाव पक्ष		12
5	छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य : व्याख्या खंड : बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' : प्राप्तव्य, कोटि-कोटि कंठों से निकली आज, यही स्वरधारा है आलोचनाः राष्ट्रीय चेतना, काव्य सौन्दर्य भाव एवं कला पक्ष रामधारी सिंह दिनकर : शहीद स्तवन, हिमालय, प्रणति - (कलम आज उनकी जय बोल) श्यामनारायण पांडेय : हल्दी घाटी आलोचनाः राष्ट्रीय चेतना, काव्य सौन्दर्य,भाव एवं कला पक्ष		12

16

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. नगेन्द्र (सं०), 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. बच्चन सिंह, 'हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. महीप सिंह- 'गुरु गोविन्द सिंह और उनका काव्य' नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 1969
4. राजमल बोरा, 'भूषण, साहित्य अकादमी' नई दिल्ली 2017
5. रामचन्द्र शुक्ल, 'हिन्दी साहित्य का इतिहास', नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
6. रामदरश मिश्र, 'आधुनिक हिन्दी कविता: सर्जनात्मक सन्दर्भ, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी, 'हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास', लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Programme: M.A/B.A		परास्नातक	Semester : IInd
Course Code: HND-513N	क्रेडिट: 4	Course Title: लोकप्रिय साहित्य (वैकल्पिक -2)	60 घंटे

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्य के उस रूप से परिचित कराना है जो लोकप्रिय और मनोरंजन प्रधान है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी लोक रूपों तथा लोक संस्कृति के व्यापक संदर्भों से परिचित हो सकेगा।

UNIT	TOPIC	Hours
1	लोकप्रिय और लोकप्रियता : अर्थ, प्रकृति एवं आधार लोकप्रियता का समाजशास्त्र : जाति, वर्ग, आयु, लिंग और अन्य अस्मिताएँ लोकप्रिय साहित्य : अवधारणा और स्वरूप लोक साहित्य, शिष्ट-शास्त्रीय साहित्य तथा लोकप्रिय साहित्य : अंतर एंव वैशिष्ट्य, लोकप्रिय साहित्य और लोकप्रिय संस्कृति में अंतर्संबंध	12
2	लोकप्रिय साहित्य का इतिहास : वैश्विक सन्दर्भ लोकप्रिय साहित्य का विकासः युग, परिवेश और परिस्थितियां - औद्योगीकरण, आधुनिकता, मध्यवर्ग का उदय, उपन्यास का जन्म, कथा साहित्य की विशिष्ट शैली के रूप में लोकप्रिय साहित्य का उदय हिंदी के लोकप्रिय साहित्य का विकास : आरंभिक हिंदी उपन्यासों में लोकप्रियता के तत्व और प्रवृत्तियां: तिलस्मी, ऐयारी और जासूसी	12
3	हिंदी का लोकप्रिय साहित्य : विभिन्न विधाएँ एवं धाराएँ तिलस्मी, ऐयारी और जासूसी साहित्य : देवकी नंदन खत्री, गोपाल राम गहमरी, सम्मेलनी कविता , लोकप्रिय फ़िल्मी गीत नाटक, नौटंकी, सोसल मीडिया और लोकप्रिय साहित्य	12
4	लोकप्रिय साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियाँ मनोरंजन, पठनीयता, यथार्थ से पलायन, घटनाओं और प्रसंगों की जगह वर्णन की प्रधानता नगरीय संस्कृति की अभिव्यक्ति, ग्रामीण जीवन, बाजार की संस्कृति लोकप्रिय साहित्य की भाषा, विषयवस्तु की विशेषताएँ	12
5	लोकप्रिय साहित्य का पाठ आधारित समाजशास्त्रीय अध्ययन : वैशिष्ट्य और सीमाएँ देवकीनन्दन खत्री : चन्द्रकांता गुलशन नंदा : नीलकंठ धर्मवीर भारती : गुनाहों का देवता शिवानी : चौदह फेरे हरिवंश राय बच्चन : मधुशाला उपर्युक्त कृतियों का कथ्य, शिल्प और महत्व ।	12

सन्दर्भ गन्थ :-

1. मुक्तिबोध: जनता का साहित्य किसे कहते हैं
2. सुधीश पचौरी : पापुलर कल्चर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण, 2004
3 टी. डब्ल्यू एडर्नो : सस्कृति उद्योग, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, प्रथम हिंदी संस्करण, 2006
4. एंटोनियो ग्राम्शीः सांस्कृतिक और राजनीतिक चिंतन के बुनियादी सरोकार, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, 2012
5. एडवर्ड सईद : वर्चस्व और प्रतिरोध, नयी किताब प्रकाशन, 2015
6. मूक आवाज : लोकप्रिय साहित्य कितना साहित्यिक, दिनेश श्रीनेत्र - 2014
7. चंद्रशेखर प्रसाद :
8. दीवान-ए-सराय :
9. Book review: Surendra Mohan Pathak

10. E.P Thompsion: The Making of English working class
11. कमल मिश्र : मीडियानगर
12. लोकरंग: सुभाष चन्द्र कुशवाहा
13. प्रभात रंजन: गंभीर साहित्य और लोकप्रिय साहित्य में कोई अंतर नहीं होता
14. जवरीमल्ल पारख : लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ
15. विद्यानिवास मिश्र : लोक और लोक का स्वर, प्रभात प्रकाशन, 2009
16. मैनेजर पाण्डेय : आलोचना की सामाजिकता
17. मैनेजर पाण्डेय : शब्द और कर्म
18. हेमत कुकरेती : भारत की लोक संस्कृति

		Semester - VIII
HND-514N	विश्व साहित्य (वैकल्पिक -3)	द्वितीय सेमेस्टर
क्रेडिट - 04	HOURS - 60	

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विश्व साहित्य के चिंतन तथा साहित्य से परिचित कराना है, जिससे विद्यार्थी साहित्य के वैश्विक स्वरूप से परिचित हो सकेगा।

UNIT	TOPIC		HOURS
1	• विश्व साहित्य की अवधारणा • विश्व साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ • विश्व साहित्य और अनुवाद • विश्व साहित्य और तुलनात्मक साहित्य का अंतर्संबंध • विश्व साहित्य का इतिहास		१२
2	**चिंतन** • ऑक्टेवियोपाज: कविता कौन पढ़ता है? • एडवर्ड सईद : लेखकों बुद्धजीवियों की सार्वजनिक भूमिका • टेरी इगलटन : साहित्य क्या है • अर्न्स्ट फिशर : कला की जरूरत		१२
3	**कविता :** काजी नज़रूल इस्लाम (बांग्ला): किसानों की ईद • माया एंजलो (अमेरिकी): विलक्षण स्त्री • पाब्लो नेरुदा : प्रेम का गीत (सानेट 17) • नाजिम हिकमत : तुम्हारे हाथ (तुर्की) • फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ : निसार तेरी गलियों में ए वतन (उर्दू) •बर्तोल्त ब्रेख्त : अगर साधारण आदमी होते (जर्मन) व्याख्या (उपयुक्त पुस्तकों से) • आलोचना : प्रतिपाद्य, महत्व, संवेदना और शिल्प		१२
4	• कहानी : ओ हेनरी : आखिरी पत्ता (अंग्रेज़ी) • अन्तोन चेखव : गिरगिट (रूसी) • लू सून: पागल की डायरी (चीनी) • चिनुआ अचेबे : मृतकों का मार्ग (नाइजीरियन) • व्याख्या : उपर्युक्त कहानियों से • आलोचना : प्रतिपाद्य, महत्व, संवेदना और शिल्प		१२

20

5	**नाटक और उपन्यास** • उपन्यास गार्सिया मार्खेज : एकांत के सौ वर्ष • न्गुगी वा थेंग्यो: मातिगारी *(अफ्रीकी)* • नाटक • अल्बेयर कामू : न्याई हत्यारे (फ्रेंच) • व्याख्या : निर्धारित पाठ्य वस्तु से • आलोचना : प्रतिपाद्य, महत्व, संवेदना और शिल्प		12

संदर्भ ग्रंथ :

1. **इंद्रनाथ चौधरी** : *तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. **साखी पत्रिका** का **एडवर्ड सईद** ***विशेषांक***
3. **डॉ. नागेंद्र** : पुनवार्क वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. **डॉ. भ. ह. राजुरकर, डॉ. राजमल बोरा**: *अनुवाद क्या है?* — वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. *विश्व साहित्य की अवधारणा और अनुवाद*, eGyankosh.ac.in

ओपन इलेक्टिव Other P.G. PROGRAMME	परास्नातक	

HND – 500N	Subject : Hindi	द्वितीय सेमेस्टर
Course Code :क्रेडिट - 04	COURSE TITLE :नाथ साहित्य और संतकाव्य परंपरा Hours - 60	

इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य-

1. वैदिक एवं लोकायत परम्परा के अध्ययन के संदर्भ में नाथ साहित्य की विशिष्टता का मूल्यांकन करना

2. गोरखनाथ के साहित्य, दर्शन, साधना के महत्व पर प्रकाश डालना

3. नवनाथ, गोरखनाथ एवं परवर्ती नाथसिद्ध परम्परा का मूल्यांकन करना है।

UNIT	TOPIC		Hours
1	नाथ शब्द का अर्थ, स्वरूप, परम्परा और महत्व, नाथ पंथ का उद्भव और विकास, पूर्व परम्परा तथा उत्तर मत, नाथ परम्पराके सिद्ध, मत्स्येंद्रनाथ का कौल, ज्ञान,जालंधरनाथ, कृष्णपाद की कापालिक साधना, गोरखनाथ की योग साधना, गोरखनाथ परवर्ती सिद्धनाथ परम्परा		15
2	नाथ पंथ की साधना पद्धति एवं गोरखनाथ, नाथ पंथ का धार्मिक प्रदेय, गोरखनाथ प्रवर्तित 12 पंथी संप्रदाय, सिद्धांत, विचार और धर्म दर्शन । भारतीय धर्म साधना मे नाथ पंथ का प्रभाव, हठयोग साधना, षडंग योग, मंत्र योग, अजपा जप, नादानुसंधान अमनश्क योग आधार, षटचक्र, व्योमपंचक ।		15
3	नाथ साहित्य की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक पृष्ठभूमि, बौद्ध परम्परा नाथ पंथु सिद्ध परम्परा और नाथ पंथ, कौल साधना, कापालिक मत, भारतीय दर्शन परम्परा और गोरखनाथ ।		15
4	नाथ पंथ का भारतीय अध्यात्म पर प्रभाव, वैष्णव धर्म साधना एवं नाथ पंथ, नाथ पंथ और भारतीय भक्ति आंदोलन, नाथ पंथ और हिन्दी भक्ति साहित्य, नाथ पंथ और हिन्दी संत काव्य परम्परा, नाथ पंथ, सूफी दर्शन और मलिक मोहम्मद जायसी, गोरखनाथ और कबीर पद्मावत में नाथ योग साधना, नाथपंथी योग साधना और आपा साहब, भारतीय संत साहित्य में नाथ पंथ का प्रभाव, नाथ पंथ और संत ज्ञानेश्वर, नाथ पंथ, वारकरी संप्रदाय और नामदेव, एकनाथ, नाथ संप्रदाय और प्राणनाथ		15

सन्दर्भ ग्रंथ सची

1. नाथ सम्प्रदाय, हजारी प्रसाद द्विवेदी

2. धर्मवीर भारती : सिद्ध साहित्य

3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : 'हिन्दी साहित्य का इतिहास'

4. प्रदीप कुमार राव : नाथपंथ और भक्ति-आन्दोलन चतुव्यूह प्रकाशन, नई दिल्ली

5. संत परशुराम चतुर्वेदी : 'उत्तरी भारत की संत परम्परा' लोकभारती प्रकाशन

22

Programme: M.A		परास्नातक	Semester : IIIRD
Course Code: HND-515 N	क्रेडिट: 4	Course Title: भाषा विज्ञान और लिपि	60 घंटे

इस प्रश्नपत्र का अभिप्रेत भाषा विज्ञान और लिपि सम्बन्धी ज्ञान से अध्येताओं को अवगत कराना है।

UNIT	TOPIC		Hours
1	भाषाः प्रकृति और संरचना, भाषा के घटक: ध्वनि, शब्द, वाक्य, प्रोक्ति(संवाद),भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र, भाषा विज्ञान और व्याकरण तथा अन्य समाज विज्ञानों से सम्बंध, भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियां, भाषा विज्ञान का इतिहास- भारतीय एवं पाश्चात्य, भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाएँ समाज भाषिकी (भाषा और समाज का अंतरसंबंध)		12
2	भाषाई विविधता और सामाजिक संदर्भ, भाषा और जेण्डर, भाषा विकल्पन, सामाजिक सन्दर्भ और भाषा, मनोभाषिकी भाषा भूगोल, आधुनिक भाषा विज्ञान के प्रमुख सम्प्रदाय (स्कूल) ध्वनि विज्ञान: ध्वनि, उच्चारण प्रक्रिया : ध्वनि की उत्पत्ति, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएं		12
3	पद विज्ञान- शब्द, शब्द और पद, पद रचना की पद्धतियाँ अर्थ विज्ञान : अर्थ, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ बोध के साधन, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ वाक्य विज्ञान: परिभाषा और तत्व , वाक्य रचना और वर्गीकरण		12
4	लिपि की परिभाषा, भाषा और लिपि का अन्तर्सम्बन्ध, लिपि की विकास अवस्थाएँ, भारत की प्राचीन लिपियाँ, भाषा प्रौद्योगिकी:स्वरूप और संभावनाएं, संचार माध्यमों का भाषा विज्ञान एवं भाषा विज्ञान एवं भाषा तकनीकी, भाषा विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी		12
5	भाषा शिक्षण स्वरूप और प्रमुख विधियां,सामग्री निर्माण, उद्देश्य केन्द्रित भाषा शिक्षण, भाषा शिक्षण और त्रुटि विश्लेषण, परीक्षण और मूल्यांकन , अभ्यास सामग्री, दृश्यश्रव्य सामग्री-भाषा तुलना-व्यतिरेकी विश्लेषण, भाषा-तुलना का वैज्ञानिक पक्ष ,भाषा –तुलना और अनुप्रयोग के क्षेत्र कोश -विज्ञान – अर्थ,स्वरूप और विकास, कोश- विज्ञान और शब्दार्थ विज्ञान, कोश के प्रकार, कोश निर्माण की प्रक्रिया, कोशीय प्रविष्टि की संरचना, नामांकन		12

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा,'भाषा विज्ञान की भूमिका', राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भोलानाथ तिवारी, 'भाषा विज्ञान', किताब महल, इलाहाबाद
3. कपिलदेव द्विवेदी 'भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. बाबूराम सक्सेना, समाज भाषा विज्ञान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. मोती लाल गुप्ता, आधुनिक भाषाविज्ञान की भूमिका, राजस्थान हिंदी अकादमी, जयपुर
6. रामदरश राय, 'भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा', भवदीय प्रकाशन, अयोध्या-फैजाबाद
7. सुरेन्द्र दुबे, 'काव्यादर्श और काव्यभाषा', भवदीय प्रकाशन, अयोध्या-फैजाबाद
8. कैलाश चंद्र भाटिया, 'हिन्दी भाषा', विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. उदय नारायण तिवारी, 'हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास' राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

23

Programme: M.A		परास्नातक	Semester : IIIRD
Course Code: HND-516N	क्रेडिट: 6	Course Title: हिन्दी भक्तिकाव्य	60 घंटे

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी भक्तिकाव्य के स्वरूप को समझते हुए निर्गुण और सगुण भक्ति धारा के कवियों की कविताओं की व्याख्या समझते हुए उनमें अन्तर्निहित विविध सन्दर्भों को जानने-समझने का प्रयास करेंगे।

सन्दर्भ ग्रन्थ-

UNIT	TOPIC		Hours
1	भक्ति : अर्थ,विकास और स्वरुप भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य भक्ति काव्य की प्रवृत्तियाँ निर्गुण भक्ति : अवधारणा, स्वरूप और प्रवृत्तियाँ सगुण भक्ति : अवधारणा, स्वरूप और प्रवृत्तियाँ निर्गुण और सगुण: साम्य और वैषम्य		12
2	**कबीरदास-** व्याख्या: गुरुदेव को अंग, सुमिरन को अंग परचा को अंग, ज्ञान विरह को अंग, निर्गुण को अंग, पदः 1,2, 11, 16, 40, 43, 51,59, 98 , 111 (कबीर ग्रंथावली- स. श्यामसुन्दर दास) आलोचना : सन्तकाव्य परम्परा और कबीरदास , कबीर का कवि रूप, काव्यगत सौन्दर्य, समाजदर्शन, रहस्य चेतना, भक्तिभावना, शिल्पगत वैशिष्ट्य , कबीर की भाषा, दार्शनिक चेतना, आधुनिक संदर्भ और कबीरदास		12
3	**मलिक मुहम्मद जायसी-** व्याख्या खंड : सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड, मानसरोदकखण्ड, नखशिख खण्ड, प्रेम खण्ड, जोगी खण्ड, नागमती वियोगखण्ड)जायसी ग्रंथावली-सं०-(रामचन्द्र शुक्ल) आलोचनाः प्रेमाख्यानक काव्य परम्परा और जायसी, जायसी का कविरूप, रहस्यचेतना-, प्रेम-वर्णन, सौन्दर्य-चेतना, रूपकतत्व, शिल्पगत विशेषता और महत्व ।		12
4	**तुलसीदास–** व्याख्या खंड : राम चरित मानस के अयोध्या कांड की आरंभिक 10 चौपाइयाँ विनयपत्रिका: अवलौ नसानी , ऐसी मूढ़ता या मन की, ऐसो को उदार,कबहुँक अम्ब अवसर पाइ , कबहुँक हौं यहि रहनि रहोंगो , केशव कहि न जाई, जाऊं कहाँ तजि , जाके प्रिय न राम वैदेही, विश्वास एक राम- नामको, मन पछितैहैं अवसर बीते कवितावली :बालकाण्ड (आरम्भ के - दस पद) आलोचना : भक्ति आंदोलन और तुलसीदास, राम काव्य परंपरा और तुलसीदास तुलसी की काव्य कला, भक्तिभावना, भावुकता, दर्शनिकता, समन्वयभावना, शिल्पगत वैशिष्ट्य, तुलसी साहित्य की प्रासंगिकता , आधुनिक संदर्भ और तुलसीदास		12
5	सूरदास: सूरसागर सटीक (संपादक : धीरेन्द्र वर्मा) व्याख्या: विनय तथा भक्ति के पद – 1,2,4,22,23 गोकुल लीला के पद – 2,6,7,12,18 राधा कृष्ण-लीला के पद - 1,2,4,10, 14 उद्धव संदेश-2,6,9,11,12,16,21,37,41, 44 (सूरसार सं० – धीरेन्द्र वर्मा) आलोचना :- कृष्ण काव्य परम्परा और सूरदास, पुष्टिमार्ग और सूरदास,अष्टछाप,सूर की काव्यकला, भक्तिभावना, वात्सल्य वर्णन, सूरदास का श्रृंगार वर्णन, सूर की राधा, दार्शनिकता सूर की गोपियाँ ,शिल्पगत वैशिष्ट्य ,भ्रमरगीत का उद्देश्य ,सूर की कविता का महत्व और मूल्यांकन		12

24

संदर्भ ग्रंथ सूची:

- रामचन्द्र शुक्ल',तुलसीदास ,नागरी प्रचारिणी सभा ,काशी
- शिव कुमार मिश्र',भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- रामचन्द्र तिवारी' ,मध्यकालीन काव्य साधना' विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी,' कबीर',राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- वासुदेव सिंह' ,कबीर',अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
- रामचन्द्र तिवारी',कबीरमीमांसा',विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- रामपूजन तिवारी' ,सूफी साधना और साहित्य',ज्ञानमण्डल लि० वाराणसी
- शिवसहाय पाठक',मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य' कानपुर
- वासुदेव सिंह,'तुलसी काव्य मीमांसा',राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- रामचन्द्र शुक्ल',जायसी ग्रन्थावली',नागरी प्रचारिणी सभा ,काशी
- विश्वनाथ त्रिपाठी',लोकवादी तुलसी' ,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- मैनेजर पाण्डेय,'भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य',वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- शांता सिंह',सूरदास कला और लोकजीवन',लोकायत प्रकाशन, वाराणसी
- ब्रजेश्वर वर्मा',सूरदास',लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- दीपक प्रकाश त्यागी',भक्ति काव्य की भूमिका',आकार प्रकाशन, गोरखपुर
- विमलेश कुमार मिश्र, विजय आनंद मिश्र ' सगुण भक्ति धारा के प्रतिनिधि कवि ', प्रत्यूष प्रकाशन, गाजियाबाद , नई दिल्ली
- रामचन्द्र शुक्ल : सूरदास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Programme: M.A		परास्नातक	Semester : IIIRD
Course Code: HND-517 N	क्रेडिट: 4	**Course Title:** हिन्दी रीति काव्य	60 घंटे

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से रीतिकाल के परिवेश पृष्ठभूमि एवं रीति कालीन काव्य परंपरा का अध्ययन कर सकेंगे। ,
- रीति कालीन काव्य प्रवृत्तियों का अध्ययन कर सकेंगे।
- रीतिकाल के विभिन्न कवियों की भूमिका का अध्ययन कर सकेंगे।
- रीतिकाल पर आधुनिक दृष्टि से किए गए विवेचन को समझ सकेंगे।

UNIT	TOPIC	Hours
1	रीति काल : परिवेश और पृष्ठभूमि, इतिहास परम्परा एवं विविध :दृष्टिकोण , प्रवृत्तियाँ, काव्यशास्तीय दृष्टिकोण एवं आचार्यत्व, रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त कवि, रीतिकाल पर आधुनिक दृष्टि, रीतिकाव्य एवं हिन्दी आलोचना	12
2	प्रमुख कवि केशवदास एवं :भूषण व्याख्या : रीतिकाव्य धारा : सम्पादक डॉ० रामचंद्र तिवारी, रामफेर त्रिपाठी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी छंद संख्या - केशवदास : राम-चन्द्रिका (1,2,3,48),कविप्रिया (62,63,67), रसिक प्रिया (52, 53, 61) भूषण : छंद संख्या – (1,2,3,9,10,14,15,16,20,21) आलोचना : रीतिकाव्य परंपरा और केशवदास केशवदास का आचार्यात्व, संवाद योजना, काव्यगत विशेषता, रीतिकालीन परम्परा में कविप्रिया, रसिकप्रिया का महत्व भूषण की काव्यगत विशेषता, वीरभावना एवं राष्ट्रीय चेतना, रीतिकाव्य परंपरा एवं भूषण ,	12
3	प्रमुख कवि : बिहारी एवं सेनापति व्याख्या : सम्पादक डॉ० रामचंद्र तिवारी, रामफेर त्रिपाठी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी बिहारी – (1,2,3,4,5,6,7,10,21,22,27,28,36,37,40,44,49,50,53,54,72) सेनापति – (1,2,3,4,6,7,8,9,19, 21) आलोचना: रीतिकाव्य परम्परा एवं बिहारी, बिहारी के काव्य की प्रवृत्तियाँ , श्रृंगार ,भक्ति एवं नीति मुक्तक काव्य परंपरा एवं बिहारी, बिहारी कीकाव्यकला , बिहारी की बहुज्ञता रीतिकालीन काव्य परम्परा एवं सेनापति, सेनापति का प्रकृति वर्णन, सेनापति की काव्य कला	12
4	प्रमुख कवि :देव एवं पद्माकर : व्याख्या: (रीतिकाव्यधाराः सम्पादक डॉ० रामचंद्र तिवारी, रामफेर त्रिपाठी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी) छंद -सं. - देव – (2,3,4,5,6,7,11,15,29,35) पद्माकर - (1,2,3,4,5,7,9,10,13 ,14) आलोचना - रीतिकाव्य परम्परा में देव, काव्य निरुपण, प्रेम और , काव्यगत वैशिष्ट्य , काव्य कला , रीतिकाव्य परंपरा में पद्माकर, श्रृंगार वर्णन : संयोग- वियोग, प्रकृति वर्णन, लोकजीवन का चित्रण, वीर भावना, काव्य शिल्प	12
5	प्रमुख कवि : घनानन्द एवं ठाकुर व्याख्या : रीतिकाव्यधाराः सम्पादक डॉ० रामचंद्र तिवारी, रामफेर त्रिपाठी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी घनानंद-छन्दसं०- (1, 3, 5, 10, 11, 12,14 ,19,20 ,22) ठाकुर-छन्दसं०- (1,2,3,4,5,6,7,9,24) आलोचना : रीतिमुक्त काव्य धारा एवं घनानन्द ,स्वच्छंद चेतना, प्रेम भावना , काव्य कौशल, काव्य भाषा रीतिकाव्य परंपरा एवं ठाकुर , काव्यगत विशेषता , प्रेम भावना , काव्य दृष्टि	12

26

सन्दर्भ ग्रंथ सूची :

- रीतिकाव्यधाराः सम्पादक डॉ० रामचंद्र तिवारी, रामफेर त्रिपाठी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिसिंग हाऊस, नयी दिल्ली
- रीतिकाव्य,नंदकिशोर नवल
- रीतिकाव्य ,संग्रह - डॉ. जगदीश गुप्त, साहित्य भवन प्रा. लिमिटेड इलाहाबाद
- बिहारी का नया मूल्यांकन, डॉ० बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- सामंती परिवेश का यथार्थ और बिहारी का काव्य , डॉ. रामदेव शुक्ल, अभिव्यक्ति प्रकाशन ,इलाहाबाद

Programme: M.A		परास्नातक	Semester : IIIRD
Course Code: HND-518 N	क्रेडिट: 4	Course Title: हिंदी आलोचना	60 घंटे

इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य हिंदी आलोचना के मानदंडों की विकास समाज-यात्रा और समय के साथ उनके संबंधों की प्रकृति से छात्रों को परिचित कराते हुए उनके भीतर साहित्यविवेक के नये आयामों के प्रति रुचि विकसित करना है।

UNIT	TOPIC		Hours
1	आलोचना: अर्थ, स्वरूप और प्रकार रचना और आलोचना का सम्बन्ध आलोचक के गुण और दायित्व		12
2	हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि, नवजागरणकालीन आलोचना: प्रमुख मान्यताएं और प्रवृतियां, साहित्य शास्त्रीय परम्परा के साथ संबंध, सहमति और असहमति	:	12
3	हिंदी आलोचना का नया प्रस्थान: आचार्य रामचंद्र शुक्ल के आलोचना सिद्धांत, शुक्लोत्तर आलोचना: नंददुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नगेन्द्र का योगदान	:	12
4	प्रगितिशील आलोचना: अर्थ और स्वरूप, प्रगितिशील आलोचना का विकास- शिवदान सिंह चौहान, मुक्तिबोध, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह की साहित्य विषयक अवधारणाएं एवं आलोचना के मानदंड		12
5	नयी हिंदी आलोचना: अज्ञेय, विजयदेव नारायण साही और रामस्वरूप चतुर्वेदी की आलोचना दृष्टि और उसका महत्व	:	12

सन्दर्भग्रन्थ- सूची:

- नंदकिशोर नवल: 'हिंदी आलोचना का विकास'
- बच्चन सिंह : 'आधुनिक हिन्दी आलोचन के बीज-शब्द'
- मलयज: 'आचार्य रामचंद्र शुक्ल'
- रामचंद्र तिवारी: 'आलोचक का दायित्व'
- विश्वनाथ त्रिपाठी: 'हिंदी आलोचना'
- निर्मला जैन: 'हिंदी आलोचना: बीसवीं सदी'

Programme: M.A		परास्नातक	Semester : IIIRD
Course Code: HND-519 N	क्रेडिट: 4	वैकल्पिक -1 Course Title: गोरखनाथ	60 घंटे

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी नाथ पंथ एवं गोरखनाथ के महत्त्व एवं समाज पर पड़े उनके प्रभावों से परिचित हो सकेगा साथ ही संत साहित्य पर गोरखनाथ के प्रभाव से भी उसका परिचय होगा।नाथ पंथ का तत्कालीन अन्य परम्पराओं से क्या सम्बन्ध बना इसका भी अध्ययन विद्यार्थी इस प्रश्नपत्र में करेगा।

UNIT	TOPIC		Hours
1	**गोरखनाथ:** प्राचीन धर्म साधना एवं गोरखनाथ, आदिकालीन काव्य परंपरा और गोरखनाथ **जीवन और युग:** बौद्ध परंपरा एवं नाथपंथ, सिद्ध परंपरा एवं नाथपंथ, कौलसाधना एवं कापालिक मत		12
2	**व्याख्या: गोरखनाथ (संपादक:- पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)** **सबदी: पद सं.** -1 ,2,4,5,6,7,8,9,10,13 **पद(राग रामग्री):** 1,2,4 नाथ साहित्य: दर्शन एवं योग का स्वरूप, गोरखनाथ का साहित्य दर्शन, भारतीय दार्शनिक परम्परा में गोरखनाथ, हठयोग साधना, षड्गयोग, मंत्रयोग		12
3	**व्याख्या: सबदी संख्या:** 16,17,18,19,21,27,29,36,38,45 **पद:** 7,8,10 गोरखनाथ की प्रमुख रचनाएँ, साहित्यिक प्रवृतियाँ, संवेदना एवं शिल्प, परवर्ती नाथ परम्परा पर गोरखनाथ के साहित्य का प्रभाव		12
4	**व्याख्या: सबदी संख्या:-** 49,63,64,68,69,96,97,102,109,110 **पद:** 11,16,18 गोरखनाथ का साहित्यिक महत्व और मूल्यांकन, उनकी भाषा शैली एवं शिल्प		12
5	**व्याख्या: सबदी संख्या:-** 119,120,121,149,152,153,161,163,164,165 **पद:** 22,29,32 गोरखनाथ: काव्य दृष्टि, संत साहित्य पर प्रभाव, गोरखनाथ की सांस्कृतिक चेतना , सामाजिक पृष्ठभूमि		12

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:

1. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल: 'गोरखबानी'
2. रामचन्द्र तिवारी: 'मध्ययुगीन काव्य-साधना ' , विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
3. धर्मवीर भारती :'सिद्ध साहित्य'
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी :'नाथ सम्प्रदाय'
5. रामचन्द्र शुक्ल: 'हिन्दी साहित्य का इतिहास'
6. प्रदीप कुमार राव: नाथपंथ और भक्ति-आन्दोलन', चतुर्व्यूह , नई दिल्ली
7. ओशो:'मरौ हे जोगी मरौ'

Programme: M.A.		परास्नातक	Semester 3
Course Code HND-520N	क्रेडिट:4	वैकल्पिक-2 Course Title: कबीरदास	घंटे 60

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी कबीरदास के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व के माध्यम से भारतीय धर्म साधना तथा हिंदी संत काव्य परंपरा से परिचित हो सकेंगे। कबीर की रचनाओं के अध्ययन-मनन से विद्यार्थियों में श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों का विकास होगा।

UNIT	TOPIC	Hours
1	भक्तिकाल: पूर्व पीठिका,सीमांकन, परिवेश भक्ति की अवधारणा, भक्ति-आंदोलन, सगुण-निर्गुण का साम्य-वैषम्य निर्गुण-भक्ति का स्वरूप और विशेषताएं संतकाव्य परंपरा और कबीरदास	12
2	व्याख्या: कबीर ग्रंथावली (सं०श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी) साखी: साधकौ अंग, गुरुदेव को अंग, बिरह कौ अंग, सुमिरन कौ अंग, पद संख्या: 16, 24, 49, 129 आलोचना: कबीरदास: जीवन, परिवेश, व्यक्तित्व और कृतित्व,भारतीय धर्म साधना में कबीर का स्थान	12
3	व्याख्या: साखी: माया कौ अंग, सहज कौ अंग, परचा कौ अंग, ज्ञान विरह कौ अंग पद संख्या: 11, 23,65, 187 आलोचना रहस्यवाद, दार्शनिक विचार, भक्ति-भावना, योग साधना, पारिभाषिक शब्दावली: अनाहत नाद, उनमन उलटबासी, निरंजन, सुरति-निरति,सहज शून्य, औंधा कुआं, अजपाजप	12
4	व्याख्या : साखी :सांच कौ अंग, करणी बिना कथणी कौ अंग, चितावणी कौ अंग, निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग पद संख्या: 41, 58, 222, 344 आलोचना: समाज दर्शन, युगसंदर्भ, प्रतिरोध का स्वर, जीवन मूल्य, प्रासंगिकता	12
5	व्याख्या: साखी: रस कौ अंग, मधि कौ अंग, काल कौ अंग, जीवन मृतक कौ अंग पद संख्या: 43, 148, 156, 224 आलोचना: काव्यकला, भाषा, काव्यरूप, अलंकार, छंद, प्रतीक विधान, समसामयिक और परवर्ती कवियों पर कबीर का प्रभाव	12

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. पुरुषोत्तम अग्रवाल,'अकथ कहानी प्रेम की', 'कविता और उनका समय',राजकमल प्रकाशन
2. रघुवंश, 'कबीर एक नई दृष्टि', लोकभारती प्रकाशन
3. रामचन्द्र तिवारी,'कबीर मीमांसा', लोकभारती प्रकाशन
4. वासुदेव सिंह (संपादक) 'कबीर',अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
5. शिव कुमार मिश्र, 'भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य',लोकभारती प्रकाशन
6. हजारी प्रसाद द्विवेदी,'कबीर' ,राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
7. रामचन्द्र शुक्ल, 'हिन्दी साहित्य का इतिहास'नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
8. डॉ० नगेन्द्र डॉ० हरदयाल(संपादक)हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर बुक्स, नई दिल्ली

30

Programme: M.A		परास्नातक	Semester : IIIRD
Course Code: HND-521 N	क्रेडिट: 4	वैकल्पिक -3 Course Title: मलिक मुहम्मद जायसी	60 घंटे

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थी मलिक मुहम्मद जायसी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के माध्यम से भारतीय धर्म साधना तथा सूफी काव्य परम्परा से परिचित हो सकेंगे। जायसी की रचनाओं के अध्ययन एवं मनन से उनमें श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों का विकास होगा।

UNIT	TOPIC	Hours
1	भक्ति की अवधारणा, निर्गुण एवं सगुण भक्ति में अन्तर, निर्गुण प्रेमाश्रयी काव्यधारा (सूफी काव्य धारा), सूफी: अर्थ ,नामकरण और प्रवृतियाँ , सूफी काव्य में सांस्कृतिक समन्वय की चेष्टा, प्रबंध कल्पना मलिक मुहम्मद जायसी: व्यक्तित्व एवं कृतित्व	12
2	जायसी ग्रंथावली - संपादक :रामचन्द्र शुक्ल स्तुति खंड- पद सं. – 8,14,24 सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड- पद सं. – 3,10,13 मानसरोदक खण्ड-पद सं.– 1,4,8 व्याख्या: उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना : पद्मावत की प्रेम पद्धति: भारतीय / फारसी, जायसी का रहस्यवाद	12
3	जायसी ग्रंथावली - संपादक :रामचन्द्र शुक्ल नागमती-सुआ संवाद खण्ड, पद सं-2,6,9, नखशिख खण्ड- पद सं०-1, ,9,10,14,17,20 व्याख्या : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना: अन्योक्ति या समासोक्ति, कथानक रुढ़ियाँ , पद्मावत का शिल्प पक्ष	12
4	जायसी ग्रंथावली - संपादक :रामचन्द्र शुक्ल प्रेम खण्ड-पद सं०-1,2,4,8, पद्मावती-रत्नसेन भेंट 1,5,8,16,19 व्याख्या : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना:जायसी की प्रेम दृष्टि व जीवन दृष्टि, इतिहास एवं कल्पना का समन्वय	12
5	नागमती वियोग खण्ड, पद सं० -1,2,3,11 , 17, 18, 19 नागमती-संदेश खंड – 1,3,11 व्याख्या : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना: सामासिक संस्कृति : लोकतत्व, नागमती का विरह वर्णन, पदमावत का प्रबंध कौशल	12

सन्दर्भ ग्रंथ सूची :

- जायसी ग्रंथावली, रामचंद्र शुक्ल(सं) , वैभव लक्ष्मी प्रकाशन, वाराणसी
- मध्यकालीन काव्य साधना रामचंद्र तिवारी -
- रहस्यवाद और हिन्दी -गुलाबरायश,भूनाथ पाण्डेय
- भारतीय प्रेमाख्यान परंपरा -परशुराम चतुर्वेदी
- सूफीमत और हिन्दी साहित्य विमल कुमार जैन -
- जायसी एक नयी दृष्टि – रघुवंश
- तसव्वुफ अथवा सूफीमत चंद्रव –ली पाण्डेय
- जायसी- विजयदेव नारायण साही
- मध्यकालीन धर्म साधना –हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिन्दी प्रेमाख्यान काव्य- कमल कुलश्रेष्ठ

Programme: M.A		परास्नातक	Semester IIIRD
Course Code: HND-522 N	क्रेडिट: 4	वैकल्पिक -4 Course Title: सूरदास	60 घंटे

इस पाठ्यक्रम से भक्तिकालीन कवि सूरदास की कविताओं मे अंतर्निहित विविध संदर्भों को विद्यार्थी समझेंगे। सूरदास की कविताओं के आधा पर वात्सल्य, शृंगार, गीतितत्व आदि को समझने मे विद्यार्थियों को सहायता मिलेगी।

UNIT	TOPIC	Hours
1	भक्ति :अर्थ विकास स्वरूप , निर्गुण एवं सगुण स्वरूप विशेषताएं और अन्तः संबंध	12
2	सूरसागर : विनय के पद 17,18,22,24,44, व्याख्या :- उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना : सूरदास की भक्ति भावना,अष्टछाप,पुष्टिमार्ग ,सूर कर दार्शनिक सिद्धांत	12
3	सूरसागर : गोकुल लीला 47,50,55,65, वृंदावन लीला : 80,101,110,133, राधा कृष्ण : 146,150,189,193, व्याख्या :- उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना : कृष्ण काव्य परंपरा और सूरदास ,भक्ति काव्य और लोकजीवन	12
4	उद्धव संदेश 260,265,278,327, द्वारिका चरित 338,354,355, भ्रमरगीत सांर (संपा रामचन्द्र शुक्ल) आरंभ से 10 पद व्याख्या :- उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना: श्रीमद्भागवत सूरसागर ,सूरदास के कृष्ण और गोपियाँ गीति तत्व और वात्सल्य वर्णन	12
5	भ्रमरगीत सार (संपा- रामचन्द्र शुक्ल) पद सं.- 11 से 25 तक व्याख्या :- उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना: प्रेम की काव्यनुभूति ,भ्रमरगीत का दार्शनिक दृष्टिकोण ,उद्धव गोपी संवाद, सूर की हृदयता और वाग्विदग्धता	12

संदर्भ ग्रंथ:

1. सूरसागर सार सटीक: संपा धीरेन्द्र वर्मा संस्करण 1999
2. रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नगरी प्रचारणी सभा, काशी 1945
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर कार्यलय बंबई 1948
4. सूरदास –नंदकिशोर नवल भारतीय साहित्य प्रकशन
5. सूरदास- ब्रजेश्वर वर्मा , लोकभारती प्रकाशन, 1944
6. त्रिवेणी – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन
7. भ्रमरगीत सार - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन
8. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडे, वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली , 110002
9. सूर साहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, पटना, इलाहाबाद
10. सूर और उनका साहित्य,हरवंश लाल शर्मा , लोकभारती प्रकाशन
11. भक्ति काव्य और लोकजीवन – शिवकुमार मिश्र, जनचेतना प्रकाशन

Programme: M.A	परास्नातक		Semester IIIRD
Course Code : HND 523- N	क्रेडिट: 4	वैकल्पिक -5 Course Title: तुलसीदास	घंटे 60

इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी भक्ति के अर्थ और स्वरूप को समझते हुए रामभक्ति काव्य परंपरा और तुलसीदस के बारे में विस्तृत और सुव्यस्थित ज्ञान अर्जित कर सकेंगे। तुलसीदास की रचनेओं के बारे में समझ विकसित करना, इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है ।

UNIT	TOPIC	Hours
1	भक्ति: अर्थ स्वरूप एवं प्रवृतियाँ, सगुण भक्ति काव्य: उद्भव एवं विकास तथा प्रवृतियाँ, सगुण भक्ति काव्य एवं तुलसीदास, राम भक्तिकाव्य परंपरा और तुलसीदास, निर्गुण-सगुण का साम्य एवं वैषम्य	12
2	रामचरितमानस (गीतप्रेस) व्याख्या: अयोध्याकांड- आरंभिक 15-35तक चौपाई। आलोचना : तुलसीदास का कवि रूप,साहित्यिक महत्त्व, अयोध्याकांड का महत्त्व, तुलसीदास की भावुकता, तुलसीदास की दार्शनिकता	12
3	रामचरितमानस (गीतप्रेस) व्याख्या : उत्तरकाण्ड- आरंभिक 1-15 तक चौपाई एवं 62-75 तक चौपाई। आलोचन : उत्तरकाण्ड का महत्व, रामराज्य की अवधारणा, कलिकाल वर्णन का महत्व , उत्तरकाण्ड मे वर्णित समस्याएं, तुलसीदास की यथार्थ चेतना, युगीन संदर्भ और तुलसीदास	12
4	विनय पत्रिका (व्याख्या) पद – 41,42,43,44,52,54,58,63,65,67,68,72,74,76,77(कुल 15 पद), आलोचना: विनय पत्रिका का महत्त्व, तुलसीदास की भक्ति भावना, काव्यादर्श, भाषा,विनय पत्रिका का शिल्पगत वैशिष्ट्य।	12
5	कवितावली (व्याख्या) 15 पद- बालकाण्ड-1,3,9,10, अयोध्याकाण्ड 14,15,16,18,19,20 लंकाकांड 63,64 उत्तरकाण्ड 72,73,77। आलोचना: काव्यकला ,काव्यादर्श ,कवितावली का महत्व, यथार्थ-चेतना, शिल्पगत विशेषताएं।	12

संदर्भ ग्रंथ-

1 उदयभानु सिंह-' तुलसी काव्य मीमांसा' राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल-'तुलसीदास' काशी नागरी प्रचारणी सभा ,काशी
3. विश्वनाथ त्रिपाठी 'लोकवादी तुलसी' राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. उदयभानु सिंह- 'तुलसी दर्शन मीमांसा'
5. रामचन्द्र तिवारी 'तुलसी', वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. विनोद शाही- 'तुलसी' आधार प्रकाशन, पंचकुला
7. संपा. वासुदेव सिंह- 'तुलसीदास' , विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
8. विमलेश कुमार मिश्र और विजयानंद मिश्र- 'सगुण भक्तिधारा के प्रतिनिधि कवि', प्रत्यूष प्रकाशन, गाजियाबाद

Programme: M.A		परास्नातक	Semester : IIIRD
Course Code: HND 524 N	क्रेडिट: 4	वैकल्पिक -6 Course Title: मीराबाई	60 घंटे

भक्तिकालीन कवियों में मीराबाई का महत्वपूर्ण स्थान है। इस पाठ्यक्रम से मीराबाई के रचनाओं को समझने का विवेक विकसित होगा। मीराबाई की कविताओं में अंतर्निहित विविध संदर्भों को समझना इस पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है।

UNIT	TOPIC	Hours
1	भक्ति : अर्थ, विकास, स्वरूप निर्गुण – सगुण स्वरूप, विशेषताएं और अंत:संबंध मीराबाई का जीवन : परिवेश , व्यक्तित्व और कृतित्व	12
2	व्याख्या : मीरा रचना संचयन (सम्पादन – माधव हाड़ा , साहित्य अकादमी, नई दिल्ली) पद सं0 : 1,2,5,6,9,13, आलोचना : हिन्दी कृष्ण काव्य परंपरा और मीराबाई मीराबाई की काव्यगत विशेषताएं, सांस्कृतिक महत्व	12
3	व्याख्या : मीरा रचना संचयन : (सम्पादन – माधव हाड़ा , साहित्य अकादमी, नई दिल्ली) पद सं0 : 15, 16 , 19, 24, 25, 28, 30, 32 , 35, 36, 39, 40, 42, 44, 46 आलोचना : मीराबाई की कविता में कृष्ण- भक्ति, प्रेम का स्वरूप	12
4	व्याख्या : मीरा रचना संचयन : (सम्पादन – माधव हाड़ा , साहित्य अकादमी, नई दिल्ली) पद सं0 : 48,49, 51, 53, 56, 59, 61, 63, 65, 67, 68, 72, 73,76, 81 आलोचना : स्त्री स्वातंत्र्य का प्रश्न और मीरा, प्रेम और विद्रोह	12
5	व्याख्या : मीरा रचना संचयन : (सम्पादन – माधव हाड़ा , साहित्य अकादमी, नई दिल्ली) पद सं0, 83, 85, 86, 87, 90 ,95, 97 , 100, 105 , 114 , 117, 122, 125 ,130 आलोचना : गीति तत्व,मीराबाई की भाषा, प्रासंगिकता, समसामयिक और परवर्ती कवियों पर मीरा का प्रभाव	12

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. मीरा का रचना संसार- कृष्णचंद शास्त्री, कला मंदिर उदयपुर
2. मीरा एक पुनर्मूल्यांकन , सं0- पल्लव, आधार प्रकाशन, हरियाणा
3. मीरा का काव्य , विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. मीरा मुक्ति की साधिका – मीराकांत, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
5. मीरा की प्रेम साधना, डॉ 0 भुवनवेश्वर मिश्रा 'मानव', राजकमल प्रकाशन दिल्ली
6. मीरा रचना संचयन : रचना एवं सम्पादन – माधव हाड़ा , साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
7. मीरा संचयन : सम्पादन नन्द चतुर्वेदी , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
8. मीरा का काव्य – डॉ० भगवान दास तिवारी , साहित्य भवन, प्रा0 लि0 इलाहाबाद

HND– 525 N शोध– परियोजना/ लघु- शोध प्रबंध CREDIT – 04

Programme: M.A		परास्नातक	Sem. : IV
Course Code: HND-526 N	क्रेडिट: 4	Course Title: हिन्दी निबंध एवं नाटक	60 घंटे

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी में हिन्दी निबंध एवं नाटक की गहरी समझ विकसित होगी। निवन्ध साहित्य वैचारिक दृष्टि से अत्यन्तसमृद्ध विधा है जिसका अध्ययन विद्यार्थी की चेतना को नया आलोक देगा। नाटक हिन्दी साहित्य की समृद्ध विधा है जो लोक से सीधे जुड़ती है। अत: यह प्रश्न पत्र विद्यार्थी की बौद्धिक उन्नति में अत्यन्त सहयोगी होगा।

UNIT	TOPIC		Hours
1	निबन्ध : अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ, हिन्दी निबंध साहित्य का विकास प्रवृतियाँ तथा महत्व (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग , छायावाद युग, छायावादोत्तर युग) नाटक : अर्थ स्वरूप एवं विशेषताएँ, नाट्य परम्परा एवं प्रवृतियाँ तथा महत्व, हिन्दी नाटकों का विकास (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग ,प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग)		12
2	श्रद्धा और भक्ति, कविता क्या है ? (आ० रामचन्द्र शुक्ल), कुटज, नाखून क्यों बढ़ते हैं ? (हजारी प्रसाद द्विवेदी) व्याख्या: उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना : विवेच्य निबन्ध और निबन्धकार : निबन्ध शैली, व्यक्तित्व विशेषताएँ,महत्त्व और मूल्यांकन		12
3	मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (विद्या निवास मिश्र), प्रियानीलकंठी (कुबेरनाथ राय) मेरे लिए भारतीय होने का अर्थ (निर्मल वर्मा) व्याख्या: उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना : विवेच्य निबन्ध और निबन्धकार : निबन्ध शैली, व्यक्तित्व विशेषताएँ,महत्त्व और मूल्यांकन		12
4	भारत दुर्दशा – भारतेन्दु हरीश्चंद्र चंद्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद व्याख्या: उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना : विवेच्य नाटक और नाटककार : मूल्यांकन, विशेषताएँ ,युगबोध, ऐतिहासिकता , आधुनिकता		12
5	आषाढ़ का एक दिन –मोहन राकेश हानुश -भीष्म साहनी आलोचना : विवेच्य नाटक एवं नाटककार, मूल्यांकन ,विशेषताएँ , युगबोध, कल्पना, ऐतिहासिकता ,		12

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1- कमला प्रसाद, "समकालीन हिन्दी निबन्ध' हरियाणा साहित्य अकादमी चण्डीगढ़

२- गिरीश रस्तोगी, 'समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना' हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, चण्डीगढ़

3- चौधीराम यादव, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य' हरियाणा ग्रन्थ अकादमी,चण्डीगढ़

4- दशरथ ओझा,'हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास' राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली

5- रामचन्द्र तिवारी, 'हिन्दी का गद्य साहित्य' विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

36

Programme: M.A		परास्नातक	Semester IV
Course Code: HND-527 N	क्रेडिट: 4	Course Title: आधुनिक हिन्दी काव्य (भारतेन्दु युग से छायावाद तक)	60 घंटे

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी में आधुनिकता, नवजागरण पुनर्जागरण जैसे प्रश्नों को समझने की शक्ति आयेगी। आधुनिक हिन्दी काव्य स्वाधीनता आन्दोलन के साथ कदम से कदम मिलाकर चलता है, अतः स्वाधीनता आन्दोलन, एवं नये विचार तन्तुओं को भी यह पाठ्यक्रम व्याख्यायित करेगा ।

UNIT	TOPIC	Hours
1	आधुनिकता : अर्थ, अवधारणा और प्रवृत्तियाँ, सामाजिक सुधार आन्दोलन नवजागरण, पुनर्जागरण : अवधारणा और महत्व भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग और छायावाद युग: परिवेश और प्रवृत्तियाँ	12
2	भारतेन्दु - उधो जो अनेक मन होते, उधो जू सुधो गहो वह मारग है, जगत में घर की फूट बुरी, ब्रज के लतापता मोहिं कीजे, मातृभाषा प्रेम दोहे,हिन्दी की उन्नति(6,8,9,31) जगन्नाथदास रत्नाकर – उद्धव शतक' व्याख्या : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना विवेच्य कवि और कविताओं का काव्यगत वैशिष्ट्य महत्व एवं मूल्यांकन	12
3	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' - प्रियप्रवास का प्रथम सर्ग मैथिलीशरण गुप्त - साकेत 'नवम सर्ग' व्याख्या : उपर्युक्त निर्धारित पाठ की आलोचना: विवेच्य कवि और कविताओं का काव्यगत वैशिष्ट्य, महत्व एवं मूल्यांकन ।	12
4	प्रसाद: कामायनी 'श्रद्धा सर्ग' सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला: जुही की कली, बादल राग-1, सरोज-स्मृति, राम की शक्तिपूजा, भेद निर्झर बह गया है व्याख्या : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना- छायावाद और निराला, छायावाद और प्रसाद, प्रसाद का काव्यगत वैशिष्ट्य, आनंदवाद, समरसता, रूपक तत्व, महाकाव्यत्व , निराला का काव्यगत वैशिष्ट्य, निराला की प्रगतिशीलता, वैशिष्ट्य, महत्व एवं मूल्यांकन ।	12
5	सुमित्रानंदन – बापू के प्रति, नौका विहार, परिवर्तन, प्रथम रश्मि । (तारापथ : डा. रामविलास शर्मा) महादेवी वर्मा – 'वे मुस्काते फूल नहीं', जो तुम आ जाते एक बार , मैं नीर भरी दुख की बदली, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ , चिर सजग आँखे उनीदी । व्याख्या : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना: छायावाद और पंत, पंत के काव्य में प्रकृति और सौन्दर्य, पंत की प्रगतिशील चेतना, पंत काव्यगत वैशिष्ट्य, महत्व एवं मूल्यांकन । छायावाद और महादेवी , महादेवी की रहस्यानुभूति, वेदना का स्वरूप, काव्यगत वैशिष्ट्य, महत्व एवं मूल्यांकन ।	12

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. नगेन्द्र, 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. नामवर सिंह, 'छायावाद', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1955,
3. बच्चन सिंह, 'हिन्दी साहित्य आधुनिक इतिहास'
4. रामचन्द्र शुक्ल, 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' , नागरी प्रचारिणी सभा' काशी, 1945
5. रामदरश मित्र, 'आधुनिक हिन्दी कविता : सर्जनात्मक सन्दर्भ, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली - 1986,
6. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'- 'प्रिय प्रवास'
7. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ग्रंथावली दूसरा भाग, सम्पादक : ब्रज रत्नदास, बी. ए. एक नागरी प्रचारिणी सभा, काशी,
8. जयशंकर प्रसाद, कामायनी (श्रद्धा सर्ग)
9. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', 'अपरा' राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. महादेवी वर्मा, 'यामा'

37A

Programme: M.A		परास्नातक	
Course Code: HND-528 N	क्रेडिट: 4	Course Title: छायावादोत्तर हिन्दी काव्य	Semester : IV 60 घंटे

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों में छायावादोत्तर हिन्दी कविता के अध्ययन के प्रति रुचि विकसित होगी। विद्यार्थी तात्कालीन सामाजिक सांस्कृतिक राजनीतिक परिदृश्य से परिचित होंगे।

UNIT	TOPIC	Hours
1	छायावादोत्तर काव्य की पृष्ठभूमि और परिस्थितियाँ, विविध काव्य-धाराएं और प्रवृतियाँ - उत्तर छायावाद , व्यक्तिवादी गीति कविता, राष्ट्रीय-सांस्कृतिक कविता, प्रगतिवाद ,प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, विविध काव्य रूप।	12
2	केदारनाथ अग्रवाल : प्रतिनिधि कविताएं (सं. अशोक त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली) चंद्रगहना से लौटती बेर, मजदूर का जन्म, बजी रूप रस की शहनाई, सब चलता है लोकतंत्र में व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना: प्रकृति- सौन्दर्य, प्रेम, समाजबोध, भाषा नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ (सं . नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली), सिंदूर तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद,हरिजन गाथा व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना: यथार्थ चेतना, काव्य संवेदना, और लोक-दृष्टि	12
3	अज्ञेय: चुनी हुए कविताएं (राजपाल एण्ड संस , कश्मीरी गेट, दिल्ली) कलगी बाजरे की, भीतर जागा दाता, यह दीप अकेला व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना: परंपरा और आधुनिकता,प्रयोग , व्यष्टि और समष्टि काव्य शिल्प मुक्तिबोध: प्रतिनिधि कविताएं (सं.अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली) बहुत दिनों से , ब्रह्मराक्षस, भूल-गलती, व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना: प्रगतिशील चेतना , जन पक्षधरता , आत्म संघर्ष, शिल्प विधान, फैन्टेसी।	12
4	शमशेर बहादुर सिंह- प्रतिनिधि कविताएं (सं. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली) , टूटी हुई बिखरी हुई, एक पीली शाम, सागर तट व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना: प्रकृति - सौन्दर्य, प्रेम, यथार्थ दृष्टि, बिम्ब-विधान। रघुवीर सहाय: प्रतिनिधि कविताएं (सं. सुरेश शर्मा,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली) रचता वृक्ष, आत्महत्या के विरुद्ध, रामदास। व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना: सामाजिक सरोकार, राजनीतिक चेतना, प्रतिरोध और काव्य भाषा	12
5	केदारनाथ सिंह: (सं. परमानन्द श्रीवास्तव, अनिल त्रिपाठी) बनारस, अकाल मे दूब, फरक नहीं पड़ता व्याख्या: उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना: काव्य संवेदना, लोकतत्व, भाषा और बिम्ब विधान धूमिल: समकालीन हिन्दी कविता (सं. परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली) मोचीराम, सिलसिला व्याख्या: उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना: मोहभंग, आक्रोश,राजनीतिक विरोध,काव्य संवेदना,काव्यभाषा ।	12

38

सन्दर्भ: ग्रन्थ-

1. कृष्णदत्त पालीवाल, अज्ञेय, कवि -कर्म का संकट, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
2. खगेन्द्र ठाकुर, नागार्जुन का कवि कर्म, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
3. डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल(संपादक), हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर बुक्स, नई दिल्ली
4. डॉ. रामविलास शर्मा, प्रगतिशील काव्य धारा और केदारनाथ अग्रवाल, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद
5. नन्द किशोर नवल, मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. नन्द किशोर नवल, आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
7. नामवर सिंह: कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. नामवर सिंह, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
9. रामस्वरूप चतुर्वेदी ; हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. विजय बहादुर सिंह, कविता और संवेदना, सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. विश्वनाथ त्रिपाठी, केदारनाथ अग्रवाल का रचना लोक, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
12. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी , समकालीन हिन्दी कविता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
14. शम्भूनाथ, कवि की नई दुनिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
15. अरविन्द त्रिपाठी, कवियों की पृथ्वी, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा

Programme: M.A		परास्नातक	Semester IV
Course Code: HND-529 N	क्रेडिट: 4	Course Title: विविध गद्य विधाएं(आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण,व्यंग्य,यात्रा साहित्य)	60 घंटे

इस प्रस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी में नवीन गद्य विधाओं का परिचय प्राप्त होगा। जिससे अन्य साहित्यिक विधाओं में भी शोध की रुचि बढ़ेगी

UNIT	TOPIC		Hours
1	हिन्दी गद्य उद्भव विकास और प्रवृति हिन्दी की लघु विधाएं आत्मकथा - जीवनी मे अंतर, संस्मरण-रेखाचित्र मे अंतर ।		12
2	क्या भूलूँ क्या याद करूँ –हरिवंश राय बच्चन व्याख्या: उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना: हिन्दी आत्मकथा उद्भव और विकास क्या भूलूँ क्या याद करूँ का वैशिष्ट्य ,महत्व एवं मूल्यांकन, आत्मकथा के विकास में हरिवंश राय बच्चन का योगदान		12
3	कलम का सिपाही (अमृत राय) व्याख्या: उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना: हिन्दी जीवनी उद्भव और विकास कलम का सिपाही का वैशिष्ट्य ,महत्व एवं मूल्यांकन, जीवनी साहित्य के विकास में अमृत राय का योगदान		12
4	स्मृति की रेखाएं (महादेवी वर्मा) व्याख्या: उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना: संस्मरण: उद्भव और विकास 'स्मृति की रेखाएं' का वैशिष्ट्य ,महत्व एवं मूल्यांकन, संस्मरण के विकास में महादेवी वर्मा का योगदान		12
5	सदाचार की तावीज (हरिशंकर परसाई) प्रारम्भिक पाँच व्यंग्य शांति निकेतन में (राहुल सांकृत्यायन) व्याख्या: उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना: व्यंग्य साहित्य: उद्भव और विकास,यात्रा साहित्य: उद्भव और विकास निर्धारित रचनाओं का का वैशिष्ट्य ,महत्व एवं मूल्यांकन, व्यंग्य साहित्य के विकास में हरिशंकर परसाई का योगदान , यात्रा साहित्य के विकास मे राहुल सांकृत्यायन का योगदान		12

संदर्भ ग्रंथ:

1. रामचन्द्र तिवारी : 'हिन्दी का गद्य साहित्य', विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 1992
2. रामचन्द्र शुक्ल: हिन्दी साहित्य का इतिहास

40

Programme: M.A		परास्नातक	Semester IV
Course Code: HND-530 N	क्रेडिट: 4	वैकल्पिक -1 Course Title: प्रेमचंद	60 घंटे

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी उपन्यास की परंपरा को समझते हुए प्रेमचंद के कथा साहित्य का विस्तृत परिप्रेक्ष्य को समझेंगे। स्वाधीनता संघर्ष की पृष्ठभूमि, स्त्री अस्मिता का प्रश्न, किसान जीवन के बहुआयामी स्वरूप को प्रेमचंद के कथा साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को समझाना इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य है।

UNIT	TOPIC	Hours
1	प्रेमचंद : जीवन एवं युग वैचारिकी, राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और प्रेमचंद, रचनाएं ,साहित्य साधना एवं साहित्य चिंतन, समकालीन विमर्श- स्त्री , दलित और प्रेमचंद	12
2	उपन्यास –'प्रेमाश्रम ' व्याख्या : निर्धारित पाठ से आलोचना : हिन्दी उपन्यास परंपरा और प्रेमचंद, स्वाधीनता संघर्ष की पृष्ठभूमि और प्रेमचंद के उपन्यास , किसान जीवन के बहुआयामी चित्र एवं प्रेमचंद के उपन्यास ,महत्व और मूल्यांकन	12
3	उपन्यास – 'सेवासदन' आलोचना : स्त्री अस्मिता का सवाल और प्रेमचंद, स्त्री जीवन के विविध आयाम और प्रेमचंद के उपन्यास, स्त्री जीवन केंद्रित उपन्यास 'सेवासदन': मूल्यांकन एवं महत्व	12
4	कहानी –'बूढ़ी काकी ', 'पंचपरमेश्वर', 'ईदगाह', 'पूस की रात', कफन', व्याख्या : निर्धारित पाठ से आलोचना: हिन्दी कहानी की परंपरा और प्रेमचंद, प्रेमचंद की कहानियों की विषयवस्तु , कहानी कला और मूल्यांकन	12
5	निबंध: 'साहित्य का उद्देश्य', 'महाजनी सभ्यता' व्याख्या : निर्धारित पाठ से आलोचना: प्रेमचंद की निबंध का साहित्य, साहित्य चिंतन और साहित्यिक महत्व और मूल्यांकन , विचार एवं चिंतन का परिदृश्य ,प्रतिमान	12

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : डॉ० गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी कहानी का इतिहास, भाग-1-2, डॉ० गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. गोदान, नया परिप्रेक्ष्य, डॉ० गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन, पटना
4. गोदान कुछ सन्दर्भ : डॉ० कमलेश कुमार गुप्त, विश्वविद्यालय, प्रकाशन,
5. रामविलास शर्मा - प्रेमचन्द और उनका युग

41

Programme: M.A		परास्नातक	
Course Code: HND-531 N	क्रेडिट: 4	वैकल्पिक -2 Course Title: जयशंकर प्रसाद	Semester IV 60 घंटे

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी छायावादी काव्य परंपरा को समझते हुए जयशंकर प्रसाद के महत्व को समझेंगे। जयशंकर प्रसाद के साहित्य को सम्यक रूप से प्रसतूत करते हुए उसमे अंतर्निहित विविध संदर्भ को समझाना मुख्य उद्देश्य है ।

UNIT	TOPIC		Hours
1	छायावादी काव्य परंपरा और जयशंकर प्रसाद छायावाद : अर्थ ,स्वरूप एवं विशेषताएं, जयशंकर प्रसाद की साहित्य साधना, रचनाएं एवं युगीन संदर्भ		12
2	काव्य: कामायनी- चिंता एवं इड़ा सर्ग व्याख्या : निर्धारित पाठ से आलोचना: कामायनी की अंतर्वस्तु, शिल्प एवं प्रबंध-विन्यास, प्रकृति एवं सौन्दर्य बोध, दर्शन, समरसता, आनंदवाद, कामायनी का रुपक तत्व, कामायनी का आधुनिक संदर्भ		12
3	नाटक: स्कंदगुप्त व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना: नाटककार जयशंकर प्रसाद: महत्व एवं विशेषताएं, रंगमंचीयता एवं नाट्य शिल्प,कल्पना एवं युगीन संदर्भ, प्रसाद के नाटकों की ऐतिहासिकता		12
4	कथा साहित्य :आकाशदीप,पुरस्कार,मधुआ,गुंडा(कहानी), कंकाल (उपन्यास) व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना: कहानीकार जयशंकर प्रसाद : मूल्यांकन एवं महत्व, युग संदर्भ कहानी के तत्व : मूल्यांकन, कथ्य और शिल्प की दृष्टि से कंकाल का मूल्यांकन		12
5	निबंध: काव्यकला, रहस्यवाद व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना: निबंधकार जयशंकर प्रसाद: महत्व एवं मूल्यांकन, निबंध शैली ,विचार और चिंतन का संदर्भ		12

संदर्भ ग्रंथ:

1. नामवर सिंह,'छायावाद' राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. तारकनाथ बाली,'छायावाद और कामायनी' सार्थक प्रकाशन,दिल्ली
3. कुमार विमल, 'सौन्दर्यशास्त्र के तत्व' राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. नगेंद्र,'कामायनी के अध्ययन की समस्याएं'नैशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली
5. सिद्धनाथ कुमार,'प्रसाद के नाटक' अनुपम प्रकाशन, पटना

42

Programme: M.A		परास्नातक	Semester : IV
Course Code: HND-532 N	क्रेडिट: 4	वैकल्पिक -3 Course Title: सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	60 घंटे

इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य निराला के साहित्य के विभिन्न रूपों, भाषा व शिल्प के प्रयोगों तथा उनके साहित्य साधना के प्रगीतिशील मूल्यों से परिचित कराना है।

UNIT	TOPIC	Hours
1	निराला : जीवन एवं युग संदर्भ, साहित्य साधना, छायावादी काव्य परम्परा, प्रगतिशील चेतना, प्रयोगधर्मिता, मुक्त छंद की अवधारणा	12
2	कविताएं : ध्वनि, मुक्ति, अधिवास, रंग गई पग-पग धन्य धरा, उक्ति, राजे ने अपनी रखवाली की (राग विराग – सं . रामविलाश शर्मा) व्याख्या : निर्धारित पाठ से आलोचना खण्ड - निराला की कविताएं : अन्तर्वस्तु एवं विन्यास, प्रेम, प्रकृति एवं सौन्दर्य, यथार्थ चेतना तथा प्रतिरोध	12
3	सरोज स्मृति , जूही की कली, बादल राग (तिरती है समीर सागर पर), राम की शक्ति पूजा, तुलसीदास, कुकुरमुत्ता, वन बेला व्याख्या : निर्धारित पाठ से आलोचना खण्ड : कविताओं का मूल प्रतिपाद्य, लंबी कथात्मक कविताएं एवं महाकाव्यात्मक औदात्य	12
4	अलका व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना खण्ड : निराला का उपन्यास साहित्य : युगीन संदर्भ, अभिव्यक्ति, कथा सौन्दर्य, महत्व एवं मूल्यांकन	12
5	कहानियाँ : देवी, चतुरी चमार, निबंध : बाहरी स्वतन्त्रता और स्त्रियाँ व्याख्या : निर्धारित पाठ से आलोचना खण्ड : निराला को कहानियों का कथ्य एवं शिल्प, निराला के निबंध : विचार और चिंतन का परिप्रेक्ष्य , साहित्य चितंन एवं प्रतिमान, साहित्यिक महत्वं एवं मूल्याकंन	12

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1- रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना' तीन खण्ड, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2- परमानन्द श्रीवास्तव : निराला की कविताएँ' नील कमल प्रकाशन, इलाहाबाद
3- रेखा खरे : निराला की कविता और काव्य भाषा ' लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4- राजेन्द्र कुमार - निराला' , अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
5- दूधनाथ सिंह- निराला: आत्महंता आस्था' लोक लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

43

Programme: M.A		परास्नातक	Semester : IV
Course Code: HND-533 N	क्रेडिट: 4	वैकल्पिक -4 Course Title: महादेवी वर्मा	60 घंटे

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों को छायावादी कवियों में महादेवी वर्मा की कविताओं के प्रति रुचि विकसित होगी। इसके साथ ही महादेवी वर्मा के साहित्य संसार से विद्यार्थियों में मानवीय मूल्य और चेतना एवं संस्कार विकसित होंगे।

UNIT	TOPIC		Hours
1	छायावाद की बृहत्रयी और महादेवी वर्मा महादेवी : युग, परिवेश, व्यक्तित्व और कृतित्व दार्शनिक प्रभाव एवं विचारधारा		12
2	महादेवी रचना संचयन , नीहार – 4 नीरजा – 5,7,8,14 व्याख्या : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना : महादेवी की रहस्यानुभूति, आत्माभिव्यक्ति एवं आत्मप्रसार		12
3	महादेवी रचना संचयन , (सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी) सांध्यगीत – 7,10 दीपशिखा – 1,3,4,11 व्याख्या : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना : महादेवी के काव्य में गीतितत्व, महादेवी की वेदना		12
4	महादेवी रचना संचयन , (सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी) संस्मरण और रेखाचित्र : अतीत के चलचित्र , रामा स्मृति की रेखाएं : भक्तिन ,पथ के साथी : गिल्लू व्याख्या : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना : संबंधित विधा के तत्वों के आधार पर मूल्यांकन, संवेदना और शिल्प		12
5	महादेवी रचना संचयन , (सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी) निबंध : शृंखला की कड़ियाँ व्याख्या : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से आलोचना : शृंखला की कड़ियाँ : मूल्य, महत्व और वर्णित समस्याएं, स्त्री स्वातंत्र्य, स्त्री चेतना		12

"सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. महादेवी रचना संचयन, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (सं.), साहित्य अकादेमी, प्रथम संस्करण 1998
२. महादेवी - दूधनाथ सिंह
3. महादेवी - जगदीश गुप्त
4. महादेवी-इन्द्रनाथ मदान

44

5. ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ -सुधा सिंह
6. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास - नंदकिशोर नवल
7. महीयसी महादेवी - गंगा प्रसाद पाण्डेय
8. लेखिकाओं की दृष्टि में महादेवी वर्षा - चंद्रा सदायत
9.परिचय इतना इतिहास यही - रामजी पाण्डेय

Programme: M.A		परास्नातक	Semester : IV
Course Code: HND 534 N	क्रेडिट: 4	वैकल्पिक -5 Course Title: अज्ञेय	60 घंटे

- इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता में प्रगति, प्रयोग और नयी कविता की प्रवृत्तियों को समझेंगे।
- अज्ञेय की कविताओं में अभिव्यक्त विविध संदर्भों को विद्यार्थियों को समझाना इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य है।
- अज्ञेय के उपन्यास और कहानियों मे अंतर्निहित विविध आयामों की समझ विकसित करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

UNIT	TOPIC		Hours
1	प्रगति, प्रयोग' और नयी कविता, प्रगति' और प्रयोग' का द्वन्द्व - परिहार, नयी राहों का अन्वेषण या प्रयोगवाद : प्रवृत्तियां और महत्व प्रयोगवाद और अज्ञेय, तारसप्तक: परिचय, मूल्य और महत्व नयी कविता: परिवेश एवं प्रवृत्तियाँ		12
2	अज्ञेय की प्रमुख कविताएं - सम्राज्ञी का नैवेद्य-दान, भीतर जागा दाता, असाध्य वीणा, उड़ चल हारिल कितनी नावों मे कितनी बार व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना: विवेच्य कविताओं का केन्द्रीय तत्व, विशेषताएं, कथ्य, शिल्प और महत्व।		12
3	अज्ञेय का उपन्यास : शेखर एक जीवनी- भाग एक और भाग दो व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना: मनोविश्लेषणवाद और अज्ञेय, शेखर एक जीवनी : कथ्य, शिल्प, महत्व, मूल्यांकन और प्रासंगिकता ।		12
4	अज्ञेय की कहानियाँ : मेजर चौधरी की वापसी, रोज, जयदोल, शरणदाता, कोठरी की बात व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना: विवेच्य कहानियों का कथ्य, शिल्प, महत्व और मूल्यांकन ।		12
5	अज्ञेय के निबंध और प्रकीर्ण साहित्य : कला का स्वभाव व उद्देश्य, रूढ़ि और मौलिकता, मानव अस्मिता, भूख, प्रासंगिकता की कसौटी, अरे यायावर रहेगा याद व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना : विवेच्य निबंधों की विशेषताएं, निबंध : शैली , मूल्यांकन और महत्व, अज्ञेय का संस्मरण साहित्य का मूल्यांकन और महत्व।		12

सन्दर्भग्रन्थ :

1- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह
2 - आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह
३- आधुनिक हिन्दी कविता: डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. समकालीन हिन्दी कविता : डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

46

5. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास': नन्द किशोर नवल
6. तुलसी से त्रिलोचन : प्रभाकर श्रोत्रिय
7-तारसप्तक : अज्ञेय
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. नामवर सिंह
9- नयी कविता का आत्मसंघर्ष और अस्तित्ववादः डॉ रामविलास शर्मा
10- शेखर एक जीवनी विविध आयाम : डॉ० राम कमल राय
11- अज्ञेय का साहित्य-चिन्तन : डॉ० भोलाशंकर व्यास

amme: M.A		परास्नातक	Sem. : IV
Course Code: HND-535 N	क्रेडिट:4	वैकल्पिक -6 Course Title: मुक्तिबोध	60 घंटे

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मुक्तिबोध के रचनात्मक व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित करना है तथा उनके आत्मसंघर्ष और सामाजिक संघर्ष को युगीन संदर्भों में देखने की दृष्टि प्रदान करना है ।

UNIT	TOPIC	Hours
1	मुक्तिबोध: रचनात्मक यात्रा नयी कविता आन्दोलन और मुक्तिबोध प्रगतिवादी विचारधारा और मुक्तिबोध मुक्तिबोध: कला और विचारधारा का अंतर्द्वन्द्व मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया : यथार्थ से फैंटेसी की यात्रा अभिव्यक्ति और भाषा का तनाव मुक्तिबोध की काव्यानुभूति की विशिष्टताएँ हिंदी आलोचना में मुक्तिबोध का योगदान	12
2	कविताएँ - भूल-गलती , भूरी-भूरी खाक धूल, अन्तः करण का आयतन, चकमक की चिनगारियां, कहने दो उन्हें जो यह कहते हैं, मैं उनका ही होता। व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना खण्डः मुक्तिबोध की कविताओं की जमीन, समय के अंतर्विरोधों की अभिव्यक्ति और आत्म संघर्ष , काव्य भाषा और शिल्प विधान।	12
3	कविताएँ - अँधेरे में, ब्रह्मराक्षस, चाँद का मुँह टेढ़ा है व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना खण्ड : मुक्तिबोध की लम्बी कविताओं का रचना विधान, नाटकीयता एवं स्वप्न कथा का संयोजन, फैंटेसी, सत्ता का दमन और प्रतिरोध का स्वर, मध्यवर्गीय विडम्बनायें और आत्म आलोचन	12
4	कहानियां : सर्कस, क्लाड इथरली, विपात्र (लम्बी कहानी) व्याख्या: निर्धारित पाठ से आलोचना खण्ड : स्वरुप एवं संरचना, कहानी कला के तत्वों के आधार पर मूल्यांकन, हिंदी कहानी साहित्य में मुक्तिबोध का योगदान	12
5	व्याख्या खण्ड : नौजवान का रास्ता एक साहित्यिक की डायरी नयी कविता का आत्मसंघर्ष आलोचनाखण्ड : समाज, साहित्य और कला के अन्तर्सम्बंध, विश्व दृष्टि का सवाल, मार्क्सवादी साहित्य का सौन्दर्य पक्ष, वस्तु और रूप की द्वंद्वात्मकता	12

48

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. अशोक चक्रधर : मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया
2. राम विलास शर्मा : नयी कविता और अस्तित्ववाद
3. नामवर सिंह: कविता के नए प्रतिमान
4. चंचल चौहान : मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब
5. नंदकिशोर नवल : मुक्तिबोध : कवि छवि
6. कृष्णमोहन : मुक्तिबोध: स्वप्न और संघर्ष
7. राखी राय हाल्दार : आधुनिकता की भाषा और मुक्तिबोध
8. दिनेश कुमार : मुक्तिबोध : पुनर्पाठ

HND– 536 N शोध– परियोजना/ लघु- शोध प्रबंध CREDIT – 04

50